हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 34 ■ नई दिल्ली 19 से 25 जून 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

अमृता राव ने इंडस्ट्री में बनाई अलग पहचान

भूंकप से थर्राया वेनेजुएला: 164 मरे और 900 से अधिक घायल

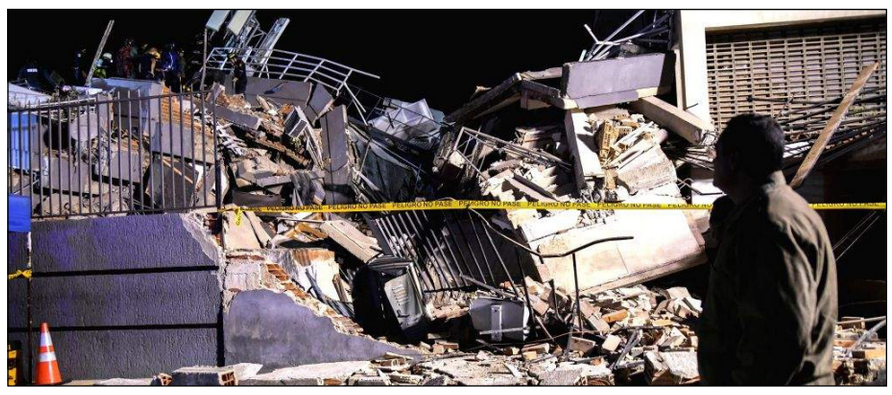

कारकास, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आये भूकंप के कारण हुए हादसों में मरने वालों की तादाद 164 हो गई है, जबकि करीब 971 लोग घायल हुए हैं। इस हादसे में हताहत लोगों की संख्या हजारों में होने का भी अनुमान लगाया जा रहा है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने हादसे की व्यापकता को देखते हुए देश में इमरजेंसी लगा दी है। अमेरिकी संस्था यूएसजीएस ने बताया दो भूकंप वेनेजुएला के मोरोन शहर से 16 किलोमीटर और सैन फेलिप से 24 किलोमीटर दूर बुधवार शाम 6:04 बजे (भारतीय समयानुसार गुरुवार तड़के 3:34 बजे) आये। पहले भूकंप के तुरंत बाद ही दूसरा भूकंप आया और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 7.2 और 7.5 मापी गई। भूकंप के झटके पूरे वेनेजुएला सहित लैटिन अमेरिका के अन्य देशों में भी महसूस किये गये।

राष्ट्रपति रोड्रिगेज के अनुसार राजधानी कारकास से लेकर तटीय शहर कैटिया ला मार तक पूरे देश में इमारतें गिरने की खबर है। उन्होंने बताया कि भूकंप हादसों में मरने वाले की संख्या 164 हो गई है और एक हजार से अधिक घायल हैं। लेकिन कुछ स्वतंत्र आकलन करने वाली एजेंसियों के अनुसार हताहतों की संख्या हजारों में हो सकती है। बीबीसी ने एक अमेरिकी एजेंसी के हवाले से कहा कि मरने वालों की तादाद कम से कम 10 हजार तक हो सकती है और घायलों का आंकड़ा एक लाख के पार जा सकता है। सुश्री रोड्रिगेज ने खोज और बचाव के लिए एक विशेष टास्क फोर्स की घोषणा कर दी है।

वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष के अनुसार, तटीय राज्य ला गुएरा सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देश भर में स्कूलों में कक्षाएं एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई हैं, और रेल सेवाएं और गैर-जरूरी गतिविधियां अस्थाई रूप से रद्द कर दी गई हैं। कारकास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थाई रूप से बंद है। वेनेजुएला के सुरक्षा बलों सहित सैकड़ों कर्मचारी अब संकट से निपटने के लिए मौके पर मौजूद हैं। इस विनाशकारी आपदा के बाद विश्व के सभी प्रमुख देशों ने वेनेजुएला की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भीषण भूकंप में जानमाल के नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की है। देश के लोगों की ओर से शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सहायता के लिए हाथ बढ़ाते हुए कहा कि वाशिंगटन मदद के लिए तैयार और सक्षम है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका ह्यातुरंत वेनेजुएला में खोज और बचाव दल, चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता भेज रहा है। कोलंबिया, मैक्सिको, पेरू, अर्जेंटीना, तुर्की और पनामा सहित कई अन्य देशों ने संवेदना और सहायता की पेशकश की है। सुश्री रोड्रिगेज के मुताबिक अमेरिका, पनामा, कतर, क्यूबा, निकारागुआ, तुर्की, जॉर्डन, कोलंबिया, बारबाडोस, इंगलैंड, ब्राजील और मेक्सिको तुरंत वेनेजुएला का सहयोग करने के लिए आगे आये।

अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी वेनेजुएला सरकार से संपर्क किया और प्राकृतिक आपदा से निपटने में मदद करने का आश्वासन दिया है।

पीएम मोदी ने वेनेजुएला भूकंप में हुई मौतों पर जताया दुख

कारकस। वेनेजुएला में एक के बाद एक लगातार दो शक्तिशाली भूकंप आए, जिससे भारी तबाही मची है। इस घटना में जानमाल का भी भारी नुकसान हुआ है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वेनेजुएला भूकंप के बाद की तबाही को लेकर दुख जताया। इसके अलावा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तबाही की शुरूआती रिपोर्ट को लेकर अच्छे संकेत नहीं दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वेनेजुएला में आए भयंकर भूकंप से हुई तबाही से बहुत दुखी हूं। भारत के लोगों की ओर से मैं वेनेजुएला की सरकार और लोगों के प्रति, खासकर उन परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, हम घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस मुश्किल समय में सभी प्रभावित लोगों के साथ खड़े हैं। भारत हर मुमकिन मदद देने के लिए तैयार है।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के करीब

- भारत के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते के बेहद करीब : अमेरिकी अधिकारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका एक अंतरिम व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं। अब बातचीत टैरिफ से मिलने वाले फायदे, मार्केट तक पहुंच और वॉशिंगटन के अस्थाई 10 फीसदी आयात शुल्क के लिए 24 जुलाई की डेडलाइन पर टिकी है।

भारत और अमेरिका ने नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में हुई दो दिवसीय मंत्री स्तरीय बैठक में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के मुख्य मुद्दों की समीक्षा की। इन मुद्दों में बेहतर बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना शामिल है। यह बैठक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के बीच हुई। बातचीत का मुख्य फोकस एक अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के तरीकों पर था, जो एक व्यापक बीटीए की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

बैठक में दोनों पक्षों ने 24 फरवरी को अमेरिका द्वारा अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए 10 फीसदी के अस्थाई टैरिफ की समय-सीमा खत्म होने से पहले बातचीत को अंतिम रूप देने पर व्यापक विचार-विमर्श किया। ये टैरिफ 24 जुलाई को खत्म हो जाएंगे। इस समझौते के लिए रूपरेखा इस साल फरवरी में घोषित की गई थी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उदयोग मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक आज सुबह अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठकों का एक दौर पूरा हुआ। गोयल ने कहा कि हमने भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता की प्रगति की समीक्षा की और अपनी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि मैं एंबेसडर ग्रीर के नेतृत्व और दोनों टीमों के लगातार प्रयासों की सराहना करता हूं, जिन्होंने हमारी बातचीत को रचनात्मक और भविष्योन्मुखी ढंग से आगे बढ़ाया है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक अमेरिका और भारत एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता 140 करोड़ आबादी वाले भारतीय बाजार को पारस्परिक और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी शर्तों पर अमेरिकी वस्तुओं के लिए खोलेगा।

मुजफ्फरनगर बंधुआ मजदूरी की घटना बर्बाद अर्थव्यवस्था का मलबा : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सामने आए बंधुआ मजदूरी के मामले को बेहद चौंकाने वाला बताते हुए कहा है कि यह सामान्य आपराध की घटना नहीं है बल्कि यह खस्ताहाल और धराशाई हुई अर्थव्यवस्था का मलबा है। श्री गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मजदूरों से बिना मजदूरी दिए काम कराया गया, उन्हें कुत्तों से कटवाया गया, भाले से गोदा गया, कोड़े मारे गए और मवेशियों का चारा खिलाया गया। उन्होंने इसे इंसानी गरिमा पर सीधा हमला बतया और कहा कि पीड़ितों का न्याय के साथ पुनर्वास कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भी पूछा जाना चाहिए कि मजदूर आखिर किन मजबूरियों में ऐसी खतरनाक परिस्थितियों में फंस जाते हैं। जब रोजगार के अवसर समाप्त होते हैं, आमदनी ठहर जाती है और मनरेगा तथा श्रम कानूनों जैसी सुरक्षात्मक व्यवस्थाएं कमजोर कर दी जाती हैं, तब सबसे कमजोर वर्गों की निराशा बढ़ती जाती है और वे शोषण का आसान शिकार बन जाते हैं।

श्री गांधी ने कहा कि जिन लोगों के पास कोई विकल्प या सुरक्षा नहीं बचती, वे ऐसी अमानवीय परिस्थितियों में फंसने को मजबूर हो जाते हैं।

निजी निवेश में सुस्ती मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की विफलता : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार की आर्थिक नीतियां तथा निवेश के अनुकूल वातावरण नहीं होने के कारण देश में निजी कॉरपोरेट निवेश में गतिशीलता घट गई है और अर्थव्यवस्था में आई यह कमी देश के सामने सबसे गंभीर चुनौती बन गई है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वास्तविक मजदूरी में ठहराव, ऊंची महंगाई के कारण घरेलू बचत दर में गिरावट, कर अधिकारियों और जांच एजेंसियों के छापों से पैदा हुआ भय का माहौल, नीतिगत अनिश्चितता तथा चीन से बढ़ते आयात निजी निवेश में सुस्ती के प्रमुख कारण हैं। उनका कहना था कि इन परिस्थितियों का असर खपत और निवेश दोनों पर पड़ा है। श्री रमेश ने कहा कि आर्थिक शक्ति का बढ़ता केंद्रीकरण भी निवेश वृद्धि को हतोत्साहित कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि वर्ष 2025-26 में भारत के कुल निजी कॉरपोरेट निवेश का एक-तिहाई हिस्सा अकेले एक बड़े कारोबारी समूह का था, जिससे अर्थव्यवस्था में निवेश के असंतुलन का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्री लंबे समय से सार्वजनिक निवेश द्वारा निजी निवेश को प्रभावित किए जाने की आशंका जताते रहे हैं, लेकिन अब स्थिति यह बन गई है कि राजनीतिक संरक्षण प्राप्त निजी निवेश ही व्यापक आधार वाले निजी निवेश को बाहर कर रहा है।

शिमला, हिमाचल प्रदेश
तारीख : 10 जून, 2026
City Samachar DAILY NEWS

OMSHIV ACHIEVEMENTS

Rocks in National Dance Competition Organised by
All India Artists Association, SHIMLA

ઓમશિવ ડાન્સ એકેડમી એ શિમલામાં યોજાયેલ રાષ્ટ્રીય નૃત્ય સ્પર્ધામાં ઉત્કૃષ્ટ પ્રદર્શન કરીને અનેક પુરસ્કારો હાંસલ કર્યા.

આ ગૌરવ માત્ર અમારી નહિ, પરંતુ સમગ્ર ગુજરાત માટે ગર્વની ક્ષણ છે.

વિજેતાઓની યાદી

1 પ્રથમ સ્થાન
- સેમીકલાશિકલ સોલો – દિયા પટેલ
- સેમીકલાસિકલ ડ્યુએટ – ખુશી અને ગ્રીવા

2 દ્વિતીય સ્થાન
- મોડર્ન ડ્યુએટ – હેત અને જીમીલ
- મોડર્ન ડ્યુએટ – નિશા અને કૌશલ ધામેચા
- મોડર્ન સોલો – કૃશા

3 તૃતીય સ્થાન
- મોડર્ન ગ્રુપ ડાન્સ – દિયા, આયાંશ અને ખુશી
- મોડર્ન સોલો – દેવવાનંદ અમીન
- મોડર્ન સોલો – આનંદ પંખાનિયા

સાંત્વના પુરસ્કાર
- ફોક સોલો – ખુશી પટેલ
- મોડર્ન વેસ્ટર્ન – આયાંશ માર્સ્ટુર
- મોડર્ન સોલો – હેત ધામેચા

વિશેષ પુરસ્કાર
- મોડર્ન ડ્યુએટ – હેત અને હર્ષ

ઓમશિવ પરિવારના તમામ વિજેતાઓ, વિદ્યાર્થીઓ, વાલીઓ અને ગુરુજનોને
હાર્દિક અભિનંદન!

તમારી મહેનત, સમર્પણ અને કળા પ્રત્યેના પ્રેમે સમગ્ર ગુજરાતનું ગૌરવ વધાર્યું છે.
Congratulations to the Entire Omshiv Family!

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ संघर्ष तेज, 25 जून से महापड़ाव की घोषणा

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली, अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ जोधपुरा संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार 1294 वें दिन भी बदस्तुर जारी रहा। सीमेंट प्लांट के खिलाफ राष्ट्रीय हरित अधिकरण एनजीटी द्वारा दिए गए आदेशों की पालना नहीं होने से समिति ने 25 जून गुरूवार से जिला कलक्टर कार्यालय पर महापड़ाव करने की घोषणा की है। समिति का कहना है कि एनजीटी के आदेशों की अक्षरशः पालना होने तक महापड़ाव जारी रहेगा। समिति के सचिव कैलाश यादव ने बताया कि 25 जून को निर्जला एकादशी का व्रत होने के कारण धरने में शामिल ग्रामीण महिलाओं का उपवास रहेगा तथा दोपहर का फलाहार भी महापड़ाव स्थल पर ही किया जायेगा।

समिति के संरक्षक प्रभुदयाल गुरुजी ने कहा कि एनजीटी के 03 नवम्बर 2025 को जारी आदेशों में विभिन्न निदेर्शों की पालना के लिये 03 माह का समय दिया था, लेकिन 08 माह बीत जाने के बाद भी आदेशों की पूर्ण पालना नहीं हुई है। इससे प्रशासनिक विफलता उजागर हो रही है। उन्होंने बताया कि आबादी से 500 मीटर की परिधि में ब्लास्टिंग नहीं करने संबंधी एनजीटी आदेशों के उल्लंघन को लेकर सहायक खनन अभियंता द्वारा जिला कलक्टर को रिपोर्ट भेजी गई थी। रिपोर्ट में अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा आदेशों के उल्लंघन का उल्लेख किया गया था। इसके बाद एएमई अमीचंद दुहारिया ने संघर्ष समिति को आष्वस्त किया था कि कंपनी को नोटिस जारी किया जायेगा तथा आदेशों की अवहेलना जारी रहने पर पट्टा निरस्तीकरण हेतु उच्च अधिकारियों को लिखा जायेगा, लेकिन 08 माह बाद भी कार्यवाही के बजाय केवल आष्वासन ही मिले हैं।

समिति का आरोप है कि आज भी अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट गांव की स्कूल, मंदिर और आबादी से लगभग 250 से 300 मीटर की दूरी पर ब्लास्टिंग कर रहा है। इसके अलावा रात्रिकालीन ध्वनि प्रदूषण तथा हाई-मास्ट लाईटों की समस्या भी बनी हुई है। रात में क्रेशर संचालन से उड़ने वाली धूल और शोर के कारण ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हो रहा है तथा उन्हें पर्याप्त नींद तक नहीं मिल पा रही है। संघर्ष समिति ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी राजकुमार मीणा द्वारा अब तक प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई है। सचिव कैलाश यादव के अनुसार महापड़ाव का कार्यक्रम पहले 08 जून 2026 को प्रस्तावित था, लेकिन प्रशासन के आग्रह पर एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया गया था।

प्रशासन द्वारा किए गए आष्वासनों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण अब 25 जून से महापड़ाव प्रारम्भ किया जायेगा। जिसमें प्रशासन से महापड़ाव के दौरान मेडिकल टीम, शुद्ध पेयजल, शुलभ शौचालय, छाया की व्यवस्था तथा सुरक्षा हेतु पर्याप्त पुलिस जाप्ता उपलब्ध कराने की मांग की है। धरने पर सचिव कैलाश यादव, उपाध्यक्ष सतपाल यादव, सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम यादव (शुक्लावास), लीलाराम यादव, धर्मपाल योगी, प्रभुदयाल गुरुजी, हरिराम यादव, रामू यादव, हरिराम सोरेला, प्रकाश सोरेला, हरिसिंह सोरेला, दिनेश यादव, सज्ञार्नी योगी समेत ग्रामीण महिलायें मौजूद रही।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ भव्य सम्मान समारोह, ट्रॉफी देकर किया गया सम्मान

विशाल मंडलोई

मध्य प्रदेशः महेश्वर तहसील के ग्राम खराड़ी में राजपूत समाज सकल पंच के सौजन्य से शिक्षा, प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2025 में कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन स्वजातीय बंधुओं द्वारा अपने स्वर्गीय माता-पिता की स्मृति में किया गया। स्मृति भेंट सूची के अंतर्गत विभिन्न परिवारों द्वारा योगदान दिया गया, जिसमें स्वर्गीय श्री कालू सिंह जी मंडलोई की स्मृति में उनके सुपुत्र श्री वीरेंद्र सिंह जी मंडलोई, स्वर्गीय श्री मनोहर सिंह जी तोमर की स्मृति में उनके पुत्र श्री सुरेंद्र सिंह जी तोमर, स्वर्गीय श्री बापू सिंह जी पवार की स्मृति में उनके सुपुत्र श्री मुकेश सिंह जी पवार, स्वर्गीय श्री विजय सिंह जी मंडलोई की स्मृति में उनके पुत्र श्री विशाल सिंह जी मंडलोई तथा स्वर्गीय श्रीमती लक्ष्मीबाई पटेल की स्मृति में उनके सुपुत्र श्री रामचंद्र जी पटेल शामिल रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की वंदना, दीप प्रज्वलन एवं महाराणा प्रताप के पूजन के साथ की गई। इसके पश्चात अतिथियों का राजपूत समाज की पारंपरिक लहरिया पहनाकर सम्मान किया गया। मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों एवं वरिष्ठजनों ने विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि के रूप में करणी सेना पंजीकृत संगठन के जिला अध्यक्ष ठाकुर विशाल सिंह मंडलोई उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व एवं उज्ज्वल करियर निर्माण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में ग्राम के वरिष्ठ कवि श्री जालिम सिंह तोमर ने भी अपनी काव्य रचना प्रस्तुत कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

समारोह में बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। वरिष्ठजनों ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत कर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन लोकेंद्र सिंह जी मंडलोई (गौड़) द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन ग्राम सरपंच प्रतिनिधि श्री वीरेंद्र सिंह जी मंडलोई (गौड़), (बबलू भैया) ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। पूरा आयोजन सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

थराद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब और वाहन सहित आरोपी गिरफ्तार

चौधरी राजूभाई वेणाभाई

गुजरातः बनासकांठा जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे प्रोहिबिशन ड्राइव के तहत थराद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थराद पुलिस ने यूमेर गांव की सीमा में नर्मदा केनाल की पुलिया के पास से गुजर रही एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान कार से भारतीय निर्मित विदेशी शराब की बोतलें और बीयर का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से कुल 416 बोतल विदेशी शराब जब्त की, जिसकी कीमत लगभग ?91,872 आंकी गई है। इसके अलावा शराब से भरी कार (GJ-01-HR-3744) जिसकी कीमत 50,000 तथा एक मोबाइल फोन जिसकी कीमत 5,000 है, भी जब्त किया गया।

इस कार्रवाई में पुलिस ने कुल 1,46,872 मूल्य का मुद्दामाल जब्त किया है। मामले में कार चालक प्रवणजी वीरमजी मणाजी ठाकोर (निवासी राणावाडिया, जिला बनासकांठा) को गिरफ्तार कर लिया गया है। थराद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई जिला पुलिस के अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।

NDPS मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार, SOG टीम की बड़ी कार्रवाई

चौधरी राजूभाई वेणाभाई

गुजरातः थराद पुलिस स्टेशन में दर्ज एन.डी.पी.एस. एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वांछित आरोपी को वाव-थराद एस.ओ.जी. टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए थराद पुलिस के हवाले कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, बनासकांठा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के मार्गदर्शन तथा वाव-थराद जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एस.ओ.जी. वाव-थराद के पुलिस निरीक्षक आर.के. अमीन के मार्गदर्शन में पुलिस सब इंस्पेक्टर पी.वी. चौधरी और उनकी टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में पेट्रोलिंग और मुखबिरों की सहायता से जांच की जा रही थी।

इसी दौरान एस.ओ.जी. टीम को सूचना मिली कि थराद पुलिस स्टेशन में दर्ज एन.डी.पी.एस. एक्ट के अपराध में वांछित आरोपी महेंद्रभाई नागजीभाई चौधरी थराद क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस जांच में आरोपी की पहचान महेंद्रभाई नागजीभाई चौधरी, निवासी मीठावीराणा, तहसील फरीदपुर, जिला वाव-थराद के रूप में हुई। आरोपी को आगे की कार्रवाई हेतु थराद पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

गुजरातः थराद पुलिस स्टेशन में दर्ज एन.डी.पी.एस. एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वांछित आरोपी को वाव-थराद एस.ओ.जी. टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए थराद पुलिस के हवाले कर दिया गया है।जानकारी के अनुसार, बनासकांठा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के मार्गदर्शन तथा वाव-थराद जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एस.ओ.जी. वाव-थराद के पुलिस निरीक्षक आर.के. अमीन के मार्गदर्शन में पुलिस सब इंस्पेक्टर पी.वी. चौधरी और उनकी टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में पेट्रोलिंग और मुखबिरों की सहायता से जांच की जा रही थी।

इसी दौरान एस.ओ.जी. टीम को सूचना मिली कि थराद पुलिस स्टेशन में दर्ज एन.डी.पी.एस. एक्ट के अपराध में वांछित आरोपी महेंद्रभाई नागजीभाई चौधरी थराद क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस जांच में आरोपी की पहचान महेंद्रभाई नागजीभाई चौधरी, निवासी मीठावीराणा, तहसील फरीदपुर, जिला वाव-थराद के रूप में हुई। आरोपी को आगे की कार्रवाई हेतु थराद पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

जयसिंहपुरा ग्रामीण सेवा शिविर में वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से आयोजित किये जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर का जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने मंगलवार को ग्राम जयसिंहपुरा में निरीक्षण किया।

इस दौरान जिला कलक्टर ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आमजन को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को संवेदनशीलता के साथ सुना जाए तथा पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध करवाया जाए। जिला कलक्टर ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं तथा अधिकारियों को प्राप्त प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करने एवं लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने राजस्व, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में आने वाले ग्रामीणों को योजनाओं की पूरी जानकारी उपलब्ध करवायें तथा पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने में सक्रिय भूमिका निभायें। शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए।

लाभार्थियों ने शिविर के माध्यम से घर के नजदीक ही सरकारी सेवाएं मिलने पर राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एसडीएम योगेश सिंह देवल, तहसीलदार रामधन गुर्जर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। पिता का नाम दर्ज करवाने की वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान। शिविर में किसान सुगनचंद पुत्र झुंझा जाट द्वारा अपने पैतृक सम्पत्ति संबंधी दस्तावेजों में पिता का नाम दर्ज करवाने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। प्रार्थी की समस्या को शिविर में उपस्थित अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्यवाही की गई। ग्रामीणों द्वारा प्रकरण से अवगत करवाया गया। इसके बाद जिला कलक्टर के निदेर्शानुसार एसडीएम एवं तहसीलदार के मार्गदर्शन में प्रार्थी के पिता का नाम दर्ज करने की कार्यवाही पूर्ण कर समस्या का समाधान किया गया।

हाईवे जाम में फंसे पूर्व डिप्टी उट नितिन पटेल, पुलिस व्यवस्था पर जताया गुस्सा

राजपूत रंजीत

गुजरातः अहमदाबाद-मेहसाणा हाईवे पर कलोल के पास साईज गुरुकुल के निकट मुख्य ड्रेनेज लाइन के कार्य के चलते मंगलवार को भारी ट्रैफिक जाम लग गया। साईज गुरुकुल से लेकर शेरथा तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे हजारों वाहन चालक घंटों तक परेशान रहे। इसी दौरान राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल की गाड़ी भी जाम में फंस गई। ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराने और मौके पर पुलिस प्रबंधन न होने से नाराज नितिन पटेल सीधे कलोल DySP कार्यालय पहुंच गए। वहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों और स्टाफ को

जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा, 'मोदी साहब चिल्ला रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल बचाओ, क्या इस तरह से बचाना है?

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि ट्रैफिक नियंत्रण को लेकर कोई जिम्मेदारी नजर नहीं आ रही है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, 'तुम्हारे DSP से कह रहा हूं, कोई जिम्मेदारी ही नहीं है। हाईवे पर लगे लंबे जाम के कारण आम लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्री घंटों तक सड़क पर फंसे रहे। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस विभाग की कार्यशैली को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग और एरोबिक्स कार्यक्रम हुआ आयोजित

विशाल मंडलोई

मध्य प्रदेशः धामनोद अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगा एरोबिक्स ग्रुप धामनोद द्वारा मुक्तानंद परिसर के बड़े गार्डन में उत्साह एवं ऊर्जा से भरपूर योग एवं एरोबिक्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुषों एवं मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा सभी ने योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः लगभग 5:30 बजे हुआ और सुबह 7:30 बजे तक विभिन्न योग गतिविधियां आयोजित की गईं। योग प्रशिक्षक सोनू जी गांधी एवं उनकी पूरी टीम ने प्रतिदिन की तरह इस विशेष अवसर पर भी योग, प्राणायाम, कपालभाति एवं विभिन्न योगासनों का अभ्यास करवाया तथा स्वस्थ शरीर और बेहतर जीवन के लिए योग के महत्व को बताया।

योग गतिविधियों के उपरांत आयोजन में पधारे मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को गरिमामयी शुरूआत दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत धामनोद की श्रीमती सीमा विष्णु पाटीदार, भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि श्रीमती ममता वर्मा, नगर पंचायत धामनोद वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद श्री जीतेन्द्र सोलंकी (फौजी), पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं वर्तमान पार्षद श्री राकेश जी पटेल , डॉ. सुरेखा जैन, करणी सेना जिलाध्यक्ष धार ठाकुर विशाल सिंह मंडलोई, योग गुरु श्री हरिश्चंद्र की पाटीदार एवं महिला युवा मोर्चा पदाधिकारी श्रीमती संगीता रामलाल यादव विशेष रूप

से उपस्थित रहे। योगा एवं एरोबिक्स ग्रुप के सदस्यों द्वारा सभी अतिथियों का मोतियों की माला पहनाकर स्वागत किया गया तथा सोनू जी गांधी एवं टीम द्वारा सभी अतिथियों को मोमेंटम प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों को फल एवं स्प्राउट के रूप में अल्पाहार कराया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक साथ मिलकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को योग एवं एरोबिक्स से जोड़ने की शपथ भी ली।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा अंत में आयोजन में उपस्थित सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार सोनू जी गांधी द्वारा व्यक्त किया गया। योग हमारी गौरवशाली भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। आइए, योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

भाजपा ने मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः आज भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। जयपुर जिला देहात उत्तर के जिला अध्यक्ष सुरेश बादलीवाल की अध्यक्षता, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र एवं विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ के मुख्य आतिथ्य में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यकताओं द्वारा इस अवसर पर देश की एकता और अखंडता के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री मिथिलेश गौतम उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं राष्ट्रगीत के साथ की गई। भारतीय जनता पार्टी जयपुर जिला देहात उत्तर के कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया एंव

अपने स्वागत भाषण में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर प्रकाश डालते हुए बलिदान दिवस अभियान के रूप में 23 जून से लेकर 6 जुलाई तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए बलिदान दिवस के आयोजनों के तहत बूथ स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम और विचार गोष्ठियों के आयोजन करने का आह्वान किया एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पढ़ने के लिए कार्यकताओं को प्रेरित किया। इसी के साथ कार्यक्रम में जयपुर जिले के प्रभारी लक्ष्मीकांत भारद्वाज द्वारा कार्यकताओं को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री "मिथिलेश गौतम" ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाने के लिए उन्होंने "एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे" का प्रसिद्ध नारा दिया था। उसके लिए जीवन पर्यंत कार्य करते रहे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और 23 जून 1953 को नजरबंदी के दौरान ही रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया था। इस अवसर पर उनके जीवन, शिक्षा, और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों को याद किया गया। इसी के साथ उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि हमें डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवनी एवं कार्यशैली से सभी कार्यकताओं को संगठन के प्रति समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। जिलाअध्यक्ष सुरेश बादलीवाल ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुरेंद्र चौधरी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक सुरेश गिठाला, जिला महामंत्री मोहन वर्मा, जिला कार्यालय प्रभारी एडवोकेट अशोक सुरेलिया, सह प्रभारी रामनरेश यादव व महेंद्र सैनी, किशन लाल यादव गुरुजी, जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंह, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार बंसल, जिला मंत्री सीमा सैनी,अर्चना कुमावत मीरा मीणा, प्रकाश हाटवाल, ओबीसी मोर्चा से सुभाष घोघड़, एससी मोर्चा अध्यक्ष हेमंत निर्मल, एसटी मोर्चा अध्यक्ष रविंद्र मीणा, जगदीश यादव, यादराम जांगल, हेमंत शेखावत, राजेंद्र सिह शेखावत, कमलेश प्रजापति, राजेश सराधना,अब्दुल सत्तार खां, जिले के सभी मंडल अध्यक्ष एवं प्रभारियों सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

जदयू की संगठनात्मक बैठक में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर दिया गया जोर

मो. फिरोज आलम

बिहार: अमदाबाद कटिहार जिले के अमदाबाद प्रखंड में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक प्रखंड अध्यक्ष खुशबू कुमारी के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष खुशबू कुमारी ने की। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकताओं की उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को और अधिक सशक्त बनाना, पार्टी की नीतियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाना तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर रणनीति तैयार करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष सुरेंद्र उरांव उपस्थित रहे। वहीं जेडीयू जिला अध्यक्ष सुरज प्रकाश राय, जिला उपाध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य सुमिता देवी, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार उरांव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर सभी अतिथियों का फूल-माला पहनाकर एवं बुके भेंट कर भव्य स्वागत और सम्मान किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए एसटी आयोग के उपाध्यक्ष सुरेंद्र उरांव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार विकास, सामाजिक न्याय एवं जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार ऐतिहासिक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है और कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि वे इन योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने संगठन की मजबूती को पार्टी की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि कार्यकताओं के समर्पण और मेहनत से ही पार्टी निरंतर आगे बढ़ती है। जेडीयू जिला अध्यक्ष सुरज प्रकाश राय ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सफलता की कुंजी है। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ने तथा जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जेडीयू हमेशा विकास और सुशासन की राजनीति करती रही है और कार्यकताओं को सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करना चाहिए।

जिला उपाध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य सुमिता देवी ने अपने संबोधन में महिलाओं की भागीदारी को लेकर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जिसके कारण आज महिलाएं सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने महिलाओं से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। वहीं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मुकेश ङ४१ उरांव ने कहा कि जेडीयू सरकार हमेशा समाज के कमजोर, वंचित, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से आदिवासी एवं वंचित समाज के बीच सरकार की योजनाओं और पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का आह्वान करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने की बात कही।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, पंचायत एवं बूथ स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने, क्षेत्र की जनसमस्याओं तथा विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं एवं सुझावों को नेताओं के समक्ष रखा, जिस पर सकारात्मक पहल और समाधान का आश्वासन दिया गया। प्रखंड अध्यक्ष खुशबू कुमारी ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का स्वागत करते हुए कहा कि अमदाबाद प्रखंड में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता ही संगठन की असली शक्ति हैं और उनके सहयोग से जेडीयू गांव-गांव तक अपनी पहुंच मजबूत कर रही है। बैठक के अंत में नेताओं एवं कार्यकताओं ने एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मौके पर जेडीयू के अनेक पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, महिला कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक उपस्थित रहे।

एक नजर

अस्पताल में महिला के स्तन से डेढ़ किलो की गांठ निकालकर डॉक्टरों ने बचाई जान

राधेश्याम गुर्जर/मध्य प्रदेश: जिला चिकित्सालय सह चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा में पिछले दिनों छनेरा निवासी 45 वर्षीय रामबाई अपने पति दिलीप के साथ उपचार के लिए आई, उसके ब्रेस्ट में एक बड़ी गठान थी। गठान का आकार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा था, जिसके कारण उसे चलने फिरने में भी परेशानी होती थी और दर्द भी लगातार बना रहता था। जिला अस्पताल में रामबाई का स्वास्थ्य परीक्षण सर्जरी रोग विशेषज्ञ डॉ. मुबारक सैयद ने किया। उन्होंने महिला की ईसीजी, सोनोग्राफी एवं अन्य आवश्यक सभी जांच करवाई। जांच में पता चला कि स्तन में गठान काफी बड़ी है जिनका ऑपरेशन करना जरूरी है। उनके द्वारा निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. संजीव दीक्षित, डॉ. एम. एल. कलमे, डॉ वीरेंद्र पचोरे, डॉ. सीमा एवं पूरी टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर महिला की जान बचाई।

डॉक्टर सैयद ने बताया कि ऑपरेशन करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण कार्य था। जिला अस्पताल के डॉक्टर्स की टीम ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर स्तन से डेढ़ किलोग्राम वजनी, 8.5 से.मी. लंबी और 6.5 सेंटीमीटर चौड़ी गठान निकाली। रामबाई को 4 बोतल खून चढ़ाया, और स्वस्थ होने पिछले दिनों डिस्चार्ज कर दिया गया ' राम बाई ने बताया कि उसके स्तन मे काफी बड़ी गठान होने से वह दर्द से बहुत परेशान रहती थी। ऑपरेशन के बाद अब वह बिल्कुल स्वस्थ है। रामबाई ने बताया कि उसे आयुष्मान भारत योजना के तहत जिला अस्पताल में सभी सुविधाएं निशुल्क मिली। जिला अस्पताल में अच्छी व्यवस्थाओं के लिए रामबाई सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त करती है।

स्लीपर बस में महिला यात्री से हुई छेड़छाड़, आरोपी कंडक्टर हुआ फरार

प्रकाश गडरी

राजस्थान: राजस्थान से मुंबई जा रही 'मारुति नंदन' स्लीपर बस में महिला यात्री से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है।

आरोप है कि यात्रा के दौरान बस के कंडक्टर ने अकेली सफर कर रही महिला के साथ अभद्र व्यवहार किया और आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा, 'तुम भी अकेली हो, मैं भी अकेला हूँ, फैसला सोचकर लेना। घटना के बाद घबराई महिला ने तुरंत अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए बस को शिरसाड फाटा पर रुकवाया और मामले की सूचना पेल्हार पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी बस कंडक्टर वहां से फरार हो चुका था। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरोपी की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, अभद्रता या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत पुलिस हेल्पलाइन 100 या 112 पर संपर्क करें।

मोटरसाइकिल चोरी मामले का आरोपी हुआ गिरफ्तार, चोरी की बाइक भी हुई बरामद

राजपूत रंजीत

हरियाणा: जिला पुलिस द्वारा अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर सफीदों पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सागर निवासी गुरुद्वारा कॉलोनी, सफीदों के रूप में हुई है। थाना शहर सफीदों के प्रभारी निरीक्षक राजकुमार राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि बहादुरगढ़ निवासी दीपक ने पुलिस को शिकायत दी थी कि वह किसी काम से एसबीआई बैंक सफीदों गया था। उसने अपनी मोटरसाइकिल देशवाल भवन के पास खड़ी की थी, लेकिन कुछ समय बाद लौटने पर मोटरसाइकिल वहां से गायब मिली। शिकायत मिलने के बाद थाना शहर सफीदों पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत केस दर्ज कर तकनीकी जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके आधार पर आरोपी सागर को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई। पुलिस ने आरोपी को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय अदालत में पेश किया, जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। पुलिस आमजन से भी सहयोग की अपील कर रही है। जींद पुलिस ने लोगों से कहा है कि यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

स्वच्छता के लिए जनजागृति का संदेश, नगरपालिका द्वारा स्वच्छता जागृति रैली का किया गया आयोजन

चौधरी राजूभाई वेणाभाई/गुजरात: थराद नगरपालिका द्वारा शहर में स्वच्छता के प्रति जनजागृति फैलाने तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से स्वच्छता जागृति रैली का आयोजन किया गया। यह रैली थराद के आईकॉन रोड से प्रारंभ होकर नगरपालिका कार्यालय तक निकाली गई। रैली को नगरपालिका प्रमुख अर्जुनसिंह वाघेला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर नगरपालिका के सदस्य, कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। रैली के दौरान शहरवासियों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने, स्वच्छता बनाए रखने तथा अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर रखने के लिए प्रेरित किया गया। स्वच्छता संबंधी नारों और संदेशों के माध्यम से लोगों से पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की गई। रैली के समापन पर उपस्थित सभी नागरिकों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया। नगरपालिका की इस पहल को नागरिकों का सकारात्मक सहयोग प्राप्त हुआ और "स्वच्छ थराद" के संकल्प को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण साबित हुआ।

राम मंदिर दान चोरी प्रकरण में रक्छ की प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंपी, जांच जारी

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेश: अयोध्या के चर्चित राम मंदिर दान चोरी प्रकरण में जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट उत्तर प्रदेश शासन को सौंप दी है। इस मामले को लेकर प्रदेशभर में चर्चा बनी हुई है और अब रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिक गई हैं। जानकारी के अनुसार, लखनऊ मंडल के आयुक्त एवं रक्छ अध्यक्ष विजय विश्वास पंत ने टीम के अन्य दोनों सदस्यों के साथ मिलकर यह प्रारंभिक जांच रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंपी। शासन स्तर पर रिपोर्ट का अध्ययन किया जा रहा है और जांच के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यह केवल प्रारंभिक रिपोर्ट है और मामले की जांच अभी जारी है। शासन ने कहा है कि जांच की कार्यवाही अभी प्रचलित है, इसलिए इसे अंतिम निष्कर्ष नहीं माना जाना चाहिए। आने वाले दिनों में SIT द्वारा और भी तथ्यों, दस्तावेजों तथा संबंधित लोगों से पूछताछ की जा सकती है। बताया जा रहा है कि SIT ने पिछले कुछ दिनों में कई स्तरों पर जांच पड़ताल की। टीम ने संबंधित दस्तावेजों की गहन समीक्षा की, वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की तथा मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ भी की। जांच के दौरान मंदिर प्रशासन, कर्मचारियों और अन्य संबंधित पक्षों से भी जानकारी जुटाई गई।

यह मामला सामने आने के बाद प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई थी। राम मंदिर देशभर की आस्था से जुड़ा विषय होने के कारण इस प्रकरण को अत्यंत संवेदनशील माना जा रहा है। ऐसे में सरकार भी पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए पारदर्शी जांच पर जोर दे रही है।

सूत्रों के अनुसार, SIT अब जांच के अगले चरण में आर्थिक लेनदेन, दान राशि के रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी पहलुओं की भी बारीकी से जांच कर सकती है। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या दोषी पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता।फिलहाल शासन की ओर से आधिकारिक तौर पर रिपोर्ट की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में आगे क्या नए तथ्य सामने आते हैं और सरकार इस मामले में क्या कदम उठाती है।

राम मंदिर दान मामले में कांग्रेस का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर में अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान और चढ़ावे की कथित अनियमितताओं के मामले को लेकर बुधवार 24 जून को जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी ने सहारनपुर में प्रदर्शन किया।

कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष संदीप सिंह राणा और महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल कनाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि पूरे प्रकरण में तत्काल एफ आई आर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है, और श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान की पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है। कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि बिना मुकदमा दर्ज किए एस आई टी जांच की घोषणा करना उचित प्रक्रिया नहीं है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष संदीप राणा, महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी, पूर्व प्रदेश सचिव अशोक सैनी, जिला उपाध्यक्ष सरदार चंद्रजीत सिंह निक्कू, सेवा दल जिला अध्यक्ष इमरान कुरैशी, पूर्व महानगर अध्यक्ष वरुण शर्मा और नसीब खान समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोहर्रम को लेकर पुलिस हुई अलर्ट, शहर में फ्लैग मार्च और फुट पेट्रोलिंग हुई तेज

राजपूत रंजीत/गुजरात: मेहसाणा शहर में आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस द्वारा फुट पेट्रोलिंग और फ्लैग मार्च किया गया। मेहसाणा ए-डिवीजन पुलिस के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने शहर के विभिन्न इलाकों में राउंड लेकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। फ्लैग मार्च के दौरान मुख्य बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से शांति, भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है तथा महत्वपूर्ण स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि आमजन निर्भय होकर त्योहार मना सकें, इसके लिए सभी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

मुहर्रम पर्व को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई आयोजित

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: रामपुर मनिहारान में आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार शाम थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति, भाईचारा, सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी पवन कुमार ने नगर के गणमान्य लोगों से मुहर्रम पर्व को हर वर्ष की भांति शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देते हैं, इसलिए सभी लोग मिल-जुलकर पर्व मनाएं और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। क्षेत्राधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिस प्रशासन की गाइडलाइन के अंतर्गत ही पर्व मनाया जाए। उन्होंने कहा कि मुहर्रम जुलूस पूर्व निर्धारित पुराने मार्गों से ही निकाला जाए तथा किसी भी नए रीति-रिवाज को शामिल न किया जाए। साथ ही उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के अवैध अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस गाइडलाइन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष उम्मेद कुमार ने कहा कि त्योहार इस प्रकार मनाया जाना चाहिए जिससे किसी भी समुदाय या व्यक्ति की भावनाएं आहत न हों। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन जनता की सुरक्षा और सहयोग के लिए सदैव तत्पर है तथा त्योहारों के दौरान आमजन को हर संभव सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने नगरवासियों से भी पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक में उपनिरीक्षक आशीष कुमार, अतिरिक्त एसआई त्रिभुवन सिंह, सभासद आफताब अहमद, अनवर अली, जाहिद कुरैशी, वसीम, पूर्व सभासद हाजी मंसूर, नासिर अंसारी, असगर अहमद सहित नगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने मुहर्रम पर्व को शांति, भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ मनाने का संकल्प लिया।

माधव डेयरी के उत्कृष्ट डीलर के रूप में पुंसरी के युवा व्यापारी जलयकुमार पटेल हुए सम्मानित

सतीशकुमार मोहनभाई पटेल/गुजरात: साबरकांठा जिले के आदर्श गांव पुंसरी के युवा व्यापारी एवं जे.पी. पार्लर के संचालक श्री जलयकुमार के. पटेल को उनकी उत्कृष्ट व्यावसायिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। मोडासा स्थित होटल आमंत्रण में आयोजित एक विशेष डीलर मीटिंग के दौरान श्री माधव डेयरी प्रोडक्ट्स की ओर से उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मान प्रदान किया गया। इस सम्मान समारोह में कंपनी के अधिकारियों और विभिन्न जिलों से आए डीलरों की उपस्थिति रही। जानकारी के अनुसार, जलयकुमार पटेल ने श्री माधव डेयरी प्रोडक्ट्स के लोकप्रिय फ्लेवर मैंगो मिल्कशेक की साबरकांठा और अरावली जिलों में उल्लेखनीय बिक्री कर कंपनी के सर्वश्रेष्ठ डीलरों में अपना स्थान बनाया है। उनकी मेहनत, ग्राहकों के प्रति समर्पण और बेहतर व्यावसायिक रणनीति को देखते हुए कंपनी के सीईओ ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया। मोडासा में आयोजित इस बैठक में साबरकांठा और अरावली जिलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डीलरों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कंपनी अधिकारियों ने बाजार की वर्तमान स्थिति, बिक्री बढ़ाने की योजनाओं और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की।

हाईटेंशन लाइन के मुआवजे को लेकर आंदोलन हुआ तेज, 35 गांवों के किसान सड़क पर उतरे

सोजित्रा आशाबेन

गुजरातः हाईटेंशन लाइन को लेकर न्याय एवं अधिकार समिति गुजरात की जामनगर तालुका उपाध्यक्ष श्रीमती आशाबेन अरविंदभाई सोजीत्रा पटेल तथा सामाजिक कार्यकर्ता अरविंदभाई सोजीत्रा सैटेलाइट पार्क, जामनगर ने सवाल उठाया है कि जामनगर जिले में आने वाली 765 केवी रिलायंस अंबानी कंपनी की लाइन कच्छ से होकर लगभग 35 गांवों के आसपास जामनगर के ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाली है।

गुजरात के किसानों को उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर गुजरात के किसान विरोध प्रदर्शन, आंदोलन और उपवास पर उतर आए हैं। किसानों की इस समस्या को लेकर पूरे गुजरात से किसान मोरबी जिले के जेतपर गांव में एकत्रित हुए और अडाणी-अंबानी कंपनी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तथा उपवास आंदोलन किया। इस दौरान 15 किसानों ने अपना मुंडन कराकर अपना आक्रोश और विरोध दर्ज कराया। किसानों द्वारा कंपनी का प्रतीकात्मक श्राद्ध

कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। 21 जून को किसान समर्थन में हास्य कलाकार श्री हकाभा का एक लोकडायरो (लोक कार्यक्रम) आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। विशेष बात यह रही कि हकाभा ने इस भव्य कार्यक्रम के लिए एक रुपया भी शुल्क नहीं लिया, जो किसानों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और समर्थन को दर्शाता है।

आसपास के गांवों तथा विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में किसान इस कार्यक्रम में पहुंचे। किसानों के आंदोलन को पूरे गुजरात से समर्थन मिल रहा है और यह आंदोलन लगातार तेज होता दिखाई दे रहा है। अब गुजरात के किसान एकजुट होकर अपने हक और अधिकारों के लिए पूरी ताकत से लड़ने के मूड में हैं। किसानों का कहना है कि वे अडाणी-अंबानी कंपनी के सामने झुकने वाले नहीं हैं। अब तक किसानों को न्याय नहीं मिला है। किसानों का आरोप है कि गुजरात सरकार ने आंदोलनरत किसानों के शिविर का दौरा नहीं किया है और न ही कृषि मंत्री अथवा मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ कोई वार्ता की है। किसानों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

किसानों का कहना है कि यह लड़ाई पूरे गुजरात के किसानों के हक और अधिकार की लड़ाई है और जब तक न्याय नहीं मिलेगा तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। इस आंदोलन में जामनगर जिले के गोकुलपरा गांव अलियाबाड़ा क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता एवं किसान नेता श्री धर्मेशभाई वल्लभभाई सोरठिया पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता श्री किशनभाई लालजीभाई राबड़िया, न्याय एवं अधिकार समिति की तालुका अध्यक्ष श्रीमती सरोजबेन एस. मुंगरा, तालुका उपाध्यक्ष श्रीमती आशाबेन ए. सोजीत्रा पटेल, सूर्यपरा गांव के सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व उपसरपंच कल्पेशभाई के. मुंगरा तथा न्याय एवं अधिकार समिति के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष परसोतमभाई एन. मुंगरा सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। न्याय एवं अधिकार समिति ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मांग की है कि अडाणी-अंबानी कंपनी और गुजरात सरकार इस मामले में गंभीरता से निर्णय लें, किसानों को उचित मुआवजा दें तथा उनके अधिकारों का सम्मान करें। समिति ने आशा व्यक्त की है कि आगामी 10 दिनों के भीतर किसानों के लिए मुआवजे की घोषणा की जाएगी।

किसानों की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं

हाईटेंशन लाइन के प्रत्येक बिजली पोल के लिए किसान को 2 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए। जिन किसानों की जमीन से बिजली लाइन गुजरती है, उन्हें 2.50 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए। प्रत्येक बिजली पोल का मासिक किराया 50 हजार रुपये दिया जाए। जिन किसानों की जमीन से लाइन और पोल गुजरते हैं, उन्हें तत्काल बीमा सुरक्षा प्रदान की जाए। दुर्घटना की स्थिति में किसान या पशु की मृत्यु होने पर किसान की मांग के अनुसार उचित मुआवजा दिया जाए। शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने से फसल को हुए नुकसान का पूरा मुआवजा दिया जाए।जिन किसानों की जमीन से बिजली लाइन गुजरती है, उन्हें मुफ्त बिजली दी जाए। बिजली दुर्घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके परिवार के एक सदस्य को कंपनी में नौकरी दी जाए। किसान की अनुमति के बिना उसकी जमीन पर बिजली पोल या लाइन न लगाई जाए। किसान की अनुमति के बिना उसकी जमीन में प्रवेश करना अपराध माना जाए। किसानों पर पुलिस दमन नहीं होना चाहिए।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने छात्राओं से किया संवाद

प्रवेशोत्सव में ड्रॉपआउट दर शून्य होने पर जताया गर्व

अशोक महूले

मध्य प्रदेशः भोपाल प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दूसरे चरण के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को इंदौर स्थित शासकीय शारदा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने छात्राओं से आत्मीय संवाद किया, उनकी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली तथा स्कूल की प्रयोगशाला और शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री का स्नेहपूर्ण व्यवहार छात्राओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा। उन्होंने कई छात्राओं से दुलार किया और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गर्व का विषय है कि बीते तीन वर्षों में प्राथमिक शिक्षा स्तर पर ड्रॉपआउट दर शून्य हो गई है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

विद्यालय निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने छात्राओं से विज्ञान

विषय और प्रयोगशाला से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। छात्राओं ने भी मुख्यमंत्री के सवालों का आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिभा और उत्साह की सराहना की। अचानक मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर छात्राएं उत्साहित नजर आईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और अधिक से अधिक बच्चों को स्कूलों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि शासकीय स्कूलों में कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2025-26 में नामांकन में 19.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं शासकीय विद्यालयों में 32.4 प्रतिशत की प्रगति देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में प्रदेश के स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख विद्यार्थियों के नामांकन का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही प्रदेश में 369 भव्य सांदीपनि विद्यालयों की शुरूआत भी की गई है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। गौरतलब है कि प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का पहला चरण 1 से 4 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। उस दौरान भी मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग को ड्रॉपआउट दर शून्य करने के लिए बधाई दी थी।

पहली पोस्टिंग में रिश्वत लेते पकड़ा गया सिपाही, डेढ़ महीने में नौकरी से बर्खास्त

अभय

उत्तर प्रदेशः शाहजहांपुर में हत्या के एक मामले में आरोपी से 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए सिपाही विवेक कुमार को विभागीय जांच के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने सीओ सिटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की। बुलंदशहर जिले के थाना शिकारपुर क्षेत्र के गांव शिवनगर धूंसरी निवासी 33 वर्षीय विवेक कुमार जून 2025 में पुलिस विभाग में भर्ती हुआ था। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद 24 अप्रैल 2026 को उसकी पहली नियुक्ति जैतीपुर थाने में हुई थी। परिवीक्षा काल में चल रहे विवेक को थाना प्रभारी अश्वनी कुमार का हमराही बनाया गया था।

बताया गया कि 12 जून 2026 को एंटी करप्शन टीम ने जैतीपुर थाना परिसर में विवेक कुमार को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। कार्रवाई के बाद आरोपी सिपाही के खिलाफ गढ़ियारंगीन थाने में मुकदमा दर्ज किया गया

और उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी सौरभ दीक्षित ने जैतीपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार को भी निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कराई थी। वहीं, सिपाही विवेक कुमार के खिलाफ जांच की जिम्मेदारी सीओ सिटी पंकज पंत को सौंपी गई थी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर एसपी ने बुधवार को सिपाही को सेवा से बर्खास्त कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि विभाग में भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बोरीसणा-2 प्राथमिक विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया कन्या केलवणी महोत्सव और शाला प्रवेशोत्सव-2026

राजपूत रंजीत

गुजरातः कलौल तहसील स्थित बोरीसणा-2 प्राथमिक विद्यालय में 'कन्या केलवणी महोत्सव' और 'शाला प्रवेशोत्सव-2026' का आयोजन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा उन्हें शैक्षणिक किट वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, विशेषकर बालिकाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें विद्यालय से जोड़कर उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरित करना रहा। आयोजन में उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए नियमित अध्ययन और अनुशासन का संदेश दिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के जीवन की सबसे मजबूत नींव है। यदि

बच्चों को प्रारंभ से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही मार्गदर्शन मिले तो वे भविष्य में समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजें। कार्यक्रम के दौरान नए विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पुस्तकें, स्टेशनरी सहित विभिन्न शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। विद्यालय परिवार ने बच्चों का तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया, जिससे बच्चों और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

इस मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि बच्चे ज्ञान के मार्ग पर आगे बढ़कर अपने परिवार, गांव और देश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में कलौल नगरपालिका वार्ड नंबर 8 के कॉपोरेटर मनहरजी ठाकोर, धर्मेंद्रभाई पटेल, दीपलभाई पटेल, गुणवंतभाई पटेल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अलावा विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्रशासन ने सभी अतिथियों और ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बनाए रखने की अपील की।

एक नजर

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, कई यूनिट रक्त किया दान

प्रमोद कुमार बंसल/राजस्थानः कोटपूतली के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन पशुधन निरीक्षक विरेन्द्र सूठवाल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानवता और समाज सेवा का परिचय दिया। रक्तदान शिविर में विजय, सुरेश, विरेन्द्र, दिनेश, आकाश, पूरण चंद, संदीप सहित कई युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता का संकल्प लिया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। आयोजकों ने बताया कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि दुर्घटनाओं, ऑपरेशन और गंभीर बीमारियों के दौरान रक्त की आवश्यकता लगातार बनी रहती है। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस एससी विभाग जिलाध्यक्ष तारा पूतली, मातादीन दहमीवाल, पूर्व सरपंच सरजीत बोपिया, संजय कल्याणपुरा, गोकुल सरपंच, मुकेश कुमार, आजाद, विजय बुटेरी, सुरेंद्र मेहरा, डॉ. ओमप्रकाश, सुरेश सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। शिविर के अंत में सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

कस्तूरबा एवं बालिका आवासीय विद्यालयों में नामांकन हुआ शुरू, कई सीटें अब भी रिक्त

अरुण कुमार रवि/झारखण्डः छतरपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छह में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यालय प्रशासन ने गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों की छात्राओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। विद्यालय की वार्डेन वेदिका कुमारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कक्षा छह की कुल 75 सीटों में से अब तक 58 छात्राओं का नामांकन हो चुका है, जबकि 17 सीटें अभी रिक्त हैं। वहीं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में 50 सीटों के विरुद्ध 36 छात्राओं का नामांकन किया गया है और 14 सीटें अभी खाली हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित इन आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। विद्यालयों में छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा, आवास, भोजन, पुस्तकें, यूनिफॉर्म सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। वार्डेन वेदिका कुमारी ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से विद्यालय परिसर में संचालित की जा रही है। अभिभावक किसी भी बिचौलिये या दलाल के झांसे में न आएं और सीधे विद्यालय पहुंचकर अपनी बेटियों का नामांकन कराएं। विद्यालय प्रशासन का मानना है कि अधिक से अधिक जरूरतमंद छात्राओं को इस योजना से जोड़कर उन्हें बेहतर शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है।

टोंक जैन नसिया में श्रद्धा और भक्ति के साथ धार्मिक आयोजन सम्पन्न

सहीहुरहमान

राजस्थानः टोंक चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया तेरापंथियान में बुधवार को धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ आयोजित किए गए। क्षीर सागर से जल लाकर भगवान चंद्रप्रभु, भगवान आदिनाथ एवं भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित कर मंगल कामनाएं कीं। इसके पश्चात आयोजित मंगल प्रवचन श्रृंखला में गुरु मां के चरण पक्षालन एवं जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य निर्मल कुमारझशुभम कुमार जयपुरिया परिवार को प्राप्त हुआ। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका विज्ञा श्री ने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य के पास तन, मन, धन और वचन की कोई

कमी नहीं है, फिर भी वह दान और त्याग के प्रति संकोच करता है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने राज-पाट, धन-वैभव और समस्त सांसारिक सुखों का त्याग किया था। यदि हम स्वयं को उनका अनुयायी कहते हैं तो हमें भी त्याग और दान की भावना अपनानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार कम से कम थोड़ा दान अवश्य करना चाहिए और त्याग करने में कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। संगीता बिलासपुरिया ने बताया कि सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ प्रणेता आर्यिका विज्ञा श्री ससंघ (4 पिच्छी) चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया, चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में विराजमान हैं। उनके सानिध्य में प्रतिदिन प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, मंगल प्रवचन एवं आहारचर्या तथा दोपहर में सामायिक और स्वाध्याय के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मानवता की मिसाल बने रंजीत जायसवाल फंटूश, गंभीर मरीज के लिए किया रक्तदान

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः गंभीर रूप से बीमार युवक की जान बचाने के लिए एक समाजसेवी ने रक्तदान कर मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश की। मरीज का हीमोग्लोबिन मात्र 3 ग्राम होने के कारण उसकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई थी। चिकित्सकों ने तत्काल चार यूनिट रक्त चढ़ाने की आवश्यकता बताई थी, लेकिन परिवार पिछले चार दिनों से रक्त की व्यवस्था के लिए भटक रहा था। जानकारी मिलने पर झामुमो नेता, जिला परिषद प्रतिनिधि एवं पूर्व उप प्रमुख रंजीत जायसवाल उर्फ फंटूश तुरंत अस्पताल पहुंचे और मरीज के परिजनों से मुलाकात की। मरीज की गंभीर हालत को देखते हुए उन्होंने बिना देर किए स्वयं रक्तदान किया। उनके रक्तदान के बाद मरीज के उपचार में राहत मिली और परिजनों ने भी राहत की सांस ली।

बताया गया कि मरीज कई दिनों से अस्पताल में भर्ती था, लेकिन कोई भी रिश्तेदार या परिचित रक्तदान के लिए आगे नहीं आया। ऐसे में रंजीत जायसवाल ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए न सिर्फ खुद रक्तदान किया, बल्कि अन्य युवाओं और सहयोगियों से संपर्क कर अतिरिक्त रक्तदाताओं की व्यवस्था करने का अभियान भी शुरू कर दिया। रक्तदान के बाद रंजीत जायसवाल ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है और

एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। उन्होंने युवाओं से समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि दुर्घटना और गंभीर बीमारी के समय रक्त की जरूरत किसी को भी पड़ सकती है। इस मानवीय कार्य की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि संकट की घड़ी में जरूरतमंद की मदद करना ही सच्ची समाजसेवा है। रंजीत जायसवाल का यह कदम समाज में सेवा, संवेदना और मानवता की भावना को मजबूत करने वाला प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।

निजी भूमि को शासकीय बताने पर उठे सवाल, प्रशासनिक जवाबदेही की करी मांग

कमल पटनी

मध्य प्रदेशः रतलाम सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूमि विवाद अब केवल स्वामित्व तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही और नागरिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर मुद्दा बनते जा रहे हैं। निजी भूमि को बिना पर्याप्त वैधानिक आधार के शासकीय अथवा नजूल भूमि घोषित कर किसी विभाग को आवंटित किए जाने के मामलों ने कानून व्यवस्था और प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 300अ के तहत किसी भी नागरिक को उसकी संपत्ति से केवल विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जा सकता है। ऐसे में यदि पुराने राजस्व रिकॉर्ड, रियासतकालीन दस्तावेज, पंजीकृत विक्रय पत्र, नामांतरण आदेश या न्यायालयीन निर्णय किसी भूमि पर निजी स्वामित्व सिद्ध करते हों, तो उसे अचानक शासकीय भूमि घोषित करना गंभीर कानूनी प्रश्न उत्पन्न करता है।

मामले को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए जा रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से यह शामिल है कि यदि भूमि निजी थी तो उसे शासकीय घोषित करने का अधिकार किसने और किस आधार पर दिया, क्या भूमि स्वामी को सुनवाई का अवसर मिला, क्या सक्षम न्यायालय के आदेशों का पालन किया गया और क्या रिकॉर्ड में संशोधन विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि भूमि अभिलेखों में त्रुटियों, वर्षों तक लंबित मामलों और गलत प्रशासनिक निर्णयों के बावजूद अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होना चिंता का विषय है। आम नागरिक छोटी गलती पर दंडित हो जाता है, लेकिन भूमि विवादों में गंभीर प्रशासनिक लापरवाही पर कार्रवाई बहुत कम देखने को मिलती है।

कानूनी जानकारों का कहना है कि यदि किसी गलत प्रशासनिक निर्णय के कारण किसी नागरिक को वर्षों तक न्यायालयों के चक्कर लगाने पड़ें, आर्थिक नुकसान उठाना पड़े और मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़े, तो केवल आदेश निरस्त करना पर्याप्त नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना भी आवश्यक है।

विशेषज्ञों ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार भूमि की मालिक नहीं बल्कि संरक्षक होती है। शासन का दायित्व नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि विवादित अभिलेखों के आधार पर उनके अधिकारों का हनन करना।

मामले को लेकर यह मांग उठ रही है कि यदि किसी निजी भूमि को बिना पर्याप्त कानूनी आधार के शासकीय या नजूल भूमि घोषित कर शिक्षा विभाग या अन्य विभागों को आवंटित किया गया है, तो इसकी निष्पक्ष जांच, न्यायिक परीक्षण और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार सच्चा सुशासन तभी संभव है जब भूमि संबंधी सभी निर्णय पारदर्शी हों, अभिलेख प्रमाणिक हों, न्यायालयीन आदेशों का सम्मान किया जाए और गलत निर्णय लेने वालों के खिलाफ भी उचित कार्रवाई सुनिश्चित हो।

इमरजेंसी है लोकतंत्र का काला अध्याय, चैनत गांव को मिलेगा पर्याप्त पेयजल

अनिल

हरियाणा: हांसी हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बुधवार को स्थानीय लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए इमरजेंसी को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय बताया। इस दौरान विधायक विनोद भयाना और भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी भी उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि 25 जून 1975 को लागू की गई आपातकाल लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना पर हमला था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार ने सत्ता बचाने के लिए विपक्षी नेताओं को जेल में डाला, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया और आम जनता की आवाज को दबाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर संविधान में कई ऐसे संशोधन किए गए, जिनका उद्देश्य सत्ता में बैठे

लोगों को लाभ पहुंचाना था।

उन्होंने कहा कि इतिहास को याद रखना जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 जून को ह्लसंविधान हत्या दिवसह्व के रूप में याद किए जाने का निर्णय उन लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में है, जिन्होंने इमरजेंसी के दौरान संघर्ष किया और यातनाएं झेली। पत्रकार वार्ता के दौरान चैनत गांव की पेयजल समस्या पर बोलते हुए मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि सरकार गांव को पर्याप्त और नियमित पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाखड़ा नहर से पानी उपलब्ध करवाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है तथा स्वतंत्र जल आपूर्ति पाइपलाइन बिछाई जा रही है। साथ ही बिजली आपूर्ति के लिए भी अलग से व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने बताया कि अमृत योजना का फंड केवल शहरी क्षेत्रों के लिए निर्धारित है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत कार्य किए जाते हैं। इसी नीति के तहत चैनत गांव की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान तैयार किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि गांव में आरसीसी टैंक निर्माण का टेंडर जारी हो चुका है और जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा। मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी दल ग्रामीणों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं और गलत जानकारी फैलाकर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चैनत गांव को पहले पानी उपलब्ध करवाया जाएगा, उसके बाद शहर की जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाखड़ा नहर से हांसी शहर के लिए बिछाई जा रही पाइपलाइन में टी लगाने के मामले की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के हर नागरिक तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है और इस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना के राजनीतिक सलाहकार दिनेश भूटानी, भाजपा जिला महामंत्री धर्मवीर रतेरिया, भाजपा पदाधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

कृत्रिम रंग मिलाकर तैयार की जा रही थी नकली सौंफ, गोदाम पर मारा गया छापा

राजपूत रंजीत

गुजरात: मेहसाणा जिले के उनावा क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली और कृत्रिम रंग मिलाकर तैयार की जा रही सौंफ के घोटाले का पदार्फाश किया है। खाद्य एवं औषधि नियमन तंत्र, मेहसाणा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अधिकारियों ने उनावा स्थित शिवगंगा एस्टेट में शनिदेव मंदिर के पास एक संदिग्ध गोदाम पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में मिलावटी सौंफ जब्त की। जानकारी के अनुसार, खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना मिली थी कि उक्त गोदाम में सौंफ में कृत्रिम रंग मिलाकर उसे आकर्षक और चमकदार बनाकर बाजार में सप्लाई किया जा रहा है। सूचना के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी उमंगभाई रावल के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान गोदाम संचालक नीम कुमार गोविंदभाई पटेल के परिसर में भारी मात्रा में संदिग्ध सौंफ पाई गई। अधिकारियों ने पाया कि साधारण सौंफ में हरे रंग और अन्य कृत्रिम रसायनों का उपयोग कर उसे चमकदार और ताजा दिखाने की कोशिश की जा

रही थी। इसके बाद उसे 1 किलो की पैकिंग में भरकर बाजार में बिक्री के लिए भेजा जा रहा था। विभाग के अनुसार, इस प्रकार की मिलावटी सौंफ ग्राहकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती थी।

छापेमारी के दौरान विभाग ने मौके से करीब 4 किलोग्राम मिलावटी सौंफ सहित लगभग 3 लाख 4 हजार 50 रुपये का मुद्दामाल जब्त किया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे घोटाले पर रोक लगाई और संदिग्ध सामग्री को सीज कर दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी उमंगभाई रावल ने बताया कि जब्त की गई सौंफ के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिए गए हैं। लैब रिपोर्ट आने के बाद संबंधित आरोपियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल विभाग मामले की विस्तृत जांच में जुटा हुआ है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता और पैकिंग का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी संदिग्ध खाद्य सामग्री की सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें।

गांधीधाम के रोटरी नगर में 15 साल पुरानी गटर समस्या के समाधान से लोगों में खुशी

माहेश्वरी कांजीभाई नारणभाई

गुजरात: गांधीधाम शहर के रोटरी नगर क्षेत्र में पिछले लगभग 15 वर्षों से चली आ रही गटर एवं जल निकासी की गंभीर समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी और संतोष का माहौल देखने को मिल रहा है। लंबे समय से इस समस्या के कारण स्थानीय लोगों को बरसात के दिनों में जलभराव, गंदगी और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष इस समस्या को उठाया गया था। क्षेत्र के नागरिकों की वर्षों पुरानी मांग को ध्यान में रखते हुए वार्ड नंबर 7 की कॉर्पोरेटर राधा सिंह चौधरी तथा गांधीधाम शहर के महामंत्री नवीनभाई अंबचुक ने लगातार

प्रयास कर इस महत्वपूर्ण समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभागों और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया। उनके अथक प्रयासों और जनहित के प्रति समर्पण के परिणामस्वरूप अब गटर लाइन और जल निकासी व्यवस्था को सुधारने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि वर्षों से चली आ रही इस समस्या के कारण उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई स्थानों पर गंदा पानी जमा होने से बीमारी फैलने का खतरा बना रहता था। अब समस्या के समाधान की प्रक्रिया शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। क्षेत्रवासियों ने वार्ड नंबर 7 की कॉर्पोरेटर राधा सिंह चौधरी और गांधीधाम शहर के महामंत्री नवीनभाई अंबचुक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और लगातार किए गए प्रयासों के कारण ही यह कार्य संभव हो पाया है। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों को प्राथमिकता देकर जनता की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

रोटरी नगर में गटर समस्या के निवारण को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में हजारों नागरिकों को स्वच्छ और बेहतर वातावरण का लाभ मिलेगा। यह कार्य जनप्रतिनिधियों और जनता के सहयोग से विकास की नई मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

मोहर्रम पर्व को लेकर अमदाबाद थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई आयोजित

मो. फि रोज आलम

बिहार: कटिहार जिले के अमदाबाद थाना परिसर में आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, जुलूस मार्ग, यातायात नियंत्रण तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने जैसे विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मनिहारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद कुमार, अंचल अधिकारी स्नेहा कुमारी, थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार, लखनपुर पंचायत की मुखिया श्वेता रॉय, मुखिया तारीक अनवर, अब्दुल बारी सरकार, नगर पंचायत मुख्य पार्षद बबलू मंडल, जेडीयू नगर अध्यक्ष संजीव कुमार शाह सहित प्रखंड क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, खलीफा एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखते हुए

मोहर्रम पर्व मनाने की अपील की। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट साझा करने से बचने की सलाह दी। प्रशासन द्वारा पर्व को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं ताकि मोहर्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। मनिहारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि अमदाबाद प्रखंड क्षेत्र में मोहर्रम जुलूस के लिए अब तक 37 लोगों को लाइसेंस जारी किए गए हैं। सभी लाइसेंसधारियों को जिला प्रशासन एवं सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जुलूस केवल निर्धारित मार्गों और तय समय के अनुसार ही निकाला जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि मोहर्रम के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की जाएगी। कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों, खलीफाओं और बुद्धिजीवियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। सभी ने एक स्वर में कहा कि अमदाबाद की गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे की परंपरा को कायम रखते हुए मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा।

काबरा ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य शिविर, टीबी मरीजों को निक्षय पोषण किट वितरित

सहीहुरहमान

राजस्थान: काबरा ग्राम पंचायत में ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर का आयोजनः टीबी मरीजों को वितरित की गई 'निक्षय पोषण किट' ।काबरा उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा काबरा ग्राम पंचायत में एक दिवसीय ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को उनके घर के समीप ही उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षय रोग टीबी के प्रति सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (इउटड) डॉ. रमेश बैरवा और चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज सैनी की गरिमामयी उपस्थिति में टीबी रोगियों को उच्च पोषण युक्त 'निक्षय

पोषण किट' का वितरण किया गया। शिविर की मुख्य गतिविधियां और अधिकारियों का संबोधन निक्षय पोषण किट का वितरणः बीसीएमओ डॉ. रमेश बैरवा एवं डॉ.पंकज सैनी ने मरीजों को किट सौंपते हुए कहा कि टीबी की दवाइयों के साथ-साथ सही और पौष्टिक आहार लेना बेहद जरूरी है। निक्षय पोषण किट मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करेगी। निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच सेवाएंः शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज सैनी की देखरेख में ग्रामीणों की सामान्य बीमारियों, ब्लड प्रेशर और शुगर की निःशुल्क जांच की गई। टीबी के संभावित लक्षण वाले मरीजों की पहचान कर उनके बलगम के सैंपल भी संग्रहित किए गए।

परामर्श एवं जागरूकता डॉ. पंकज सैनी ने ग्रामीणों को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मिलने वाली निःशुल्क जांच, उपचार और डीबीटी (निक्षय पोषण योजना) के माध्यम से मिलने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी दी। स्वास्थ्य संदेश "टीबी का इलाज पूरी तरह संभव है और इसकी जांच व दवाइयां सभी सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह मुफ्त हैं। यदि किसी को २ हफ्ते से अधिक की खांसी हो, तो तुरंत जांच करवाएं।" - डॉ. रमेश चन्द बैरवा, बीसीएमओ शिविर के दौरान रठड मोजी राम मीणा ,लेब टेक्नीशियन अबू तलहा खान ,एएनएम एल सम्मा पी , संजय कुमारी साहू , निर्मला साहू ,पिंकी चौधरी आशा सहयोगिनी, स्वास्थ्य कर्मी और बड़ी संख्या में काबरा ग्राम पंचायत के ग्रामीण उपस्थित रहे।

लक्ष्मी नगर वार्ड 06 में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन, निकलेगी भव्य कलश यात्रा

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली। स्थानीय लक्ष्मी नगर के वार्ड नंबर 06 स्थित ढाणी जादावाली में श्री शिव परिवार की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है।

समिति के प्रचार मंत्री बिल्लूराम सैनी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत 21 जुलाई 2026, मंगलवार को प्रातः 7:15 बजे विशाल एवं भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। इस दौरान बड़ी संख्या में मातृशक्ति कलश धारण कर क्षेत्र की परिक्रमा करेंगी।अगले

दिन 22 जुलाई 2026, बुधवार को मुख्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। बुधवार प्रातः 9:15 बजे वैदिक मंत्रोचार के साथ श्री शिव परिवार की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 12:15 बजे से विशाल भंडारे (प्रसादी ग्रहण) का आयोजन शुरू होगा, जो प्रभु इच्छा तक अनवरत चलेगा।

समस्त क्षेत्रवासियों और ढाणी जादावाली के निवेदकों ने क्षेत्र के सभी देवतुल्य प्रबुद्धजनों और श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ उठाने और प्रसादी ग्रहण करने की भावभीनी अपील की है। इस अवसर पर फूलचंद हलवाई, बद्री प्रसाद सैनी, जमूरा प्रसाद सैनी, समिति अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, फूलचंद सैनी, हंसराज सैनी, बाबूलाल सैनी, मोहनलाल सैनी, हरचंद सैनी, कैलाश सैनी, जय सिंह सैनी, सुंदर सैनी, रामजीलाल सैनी, मंगलराम सैनी, हेमराज सैनी, सरदार, मन्नालाल सैनी, सुभाष चंद्र सैनी, प्रकाश चंद सैनी,राजू सैनी, मुकेश सैनी,पवन सैनी, विक्रम सैनी, सुरेश सैनी राजेश सैनी, कृष्ण सैनी मूलचंद सैनी, विजय कुमार, मुकेश सैनी, धर्मेंद्र मनोज सैनी सुनील, जीतू माली,अमन अक्षय कुमार आदि सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मंगेतर को 400 फीट खाई में धकेलने का लगा आरोप, मंगेतर और प्रेमी हुए गिरफ्तार

सांवर मल गादरी

राजस्थान: उदयपुर में एक सनसनीखेज हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। लोहारगढ़ किले से जुड़े 26 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की मौत को पहले हादसा माना जा रहा था, लेकिन पुलिस जांच में सामने आए खुलासों ने इस मामले को प्रेम, विश्वासघात और साजिश की खौफनाक कहानी में बदल दिया। पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, केतन अग्रवाल की शादी जल्द ही एक भव्य पैलेस में होने वाली थी, जिसकी अनुमानित लागत करीब

17 करोड़ रुपये बताई जा रही है। परिवार में शादी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही थीं, लेकिन इसी बीच साजिश का ऐसा जाल बुना गया जिसने सभी को स्तब्ध कर दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि सिया गोयल और चेतन चौधरी के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। दोनों ने मिलकर केतन को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। आरोप है कि 14 जून को पहली बार लोहारगढ़ किले के पास केतन को धक्का देकर मारने की कोशिश की गई थी। उस दौरान आरोपियों ने घटना को हादसा दिखाने के लिए 'सांप-सांप' चिल्लाकर लोगों से मदद मांगने का नाटक भी किया, जिससे किसी को उन पर शक न हो। हालांकि पहली कोशिश में केतन की जान बच गई, लेकिन आरोपियों ने अपनी योजना नहीं छोड़ी। पुलिस के अनुसार, 18 जून को सिया और चेतन ने केतन को घूमने के बहाने फिर उसी इलाके में बुलाया। वहां मौका पाकर उसे करीब 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

शुरूआती जांच में इसे दुर्घटना माना गया था, लेकिन पुलिस को कुछ बयानों और घटनास्थल से मिले सबूतों पर शक हुआ।

रक्तदान शिविर में कर्मियों ने दिखाई मानवता की मिसाल, बढ़-चढ़कर लिया रक्तदान में हिस्सा

अरुण कुमार रवि

झारखण्ड: राज्यव्यापी विशेष अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर में विभिन्न विभागों और संस्थाओं के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। दो दिवसीय अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक रक्त संग्रह करने के उद्देश्य से आयोजित शिविर के पहले ही दिन बड़ी संख्या में कर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनीता केरकेट्टा ने स्वयं रक्तदान कर किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान

किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने सभी स्वस्थ लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त कई लोगों की जान बचाने में सहायक हो सकता है।

शिविर में जिला कार्यालय, विभिन्न प्रखंडों एवं सहयोगी संस्थाओं के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। प्रतिभागियों ने रक्तदान को मानव सेवा का सर्वोत्तम कार्य बताते हुए इसे सामाजिक दायित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस अभियान का उद्देश्य अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों और आपात स्थितियों में रक्त की आवश्यकता लगातार बनी रहती है, ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदाता समाज के लिए किसी जीवनरक्षक से कम नहीं हैं। शिविर के दौरान रक्तदान करने वाले सभी कर्मियों का उत्साहवर्धन किया गया और उन्हें भविष्य में भी नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया।

संक्षिप्त

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर बॉब ब्लेयर का 94 वर्षी की आयु में निधन

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज रहे दिग्गज क्रिकेटर बॉब ब्लेयर का अपने जन्मदिन 23 जून से एक दिन पहले 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। विश्व क्रिकेट में बॉब ब्लेयर को उनकी तेज गेंदबाजी के लिए नहीं, बल्कि खेल के इतिहास में दिखाए गए साहस, खेल भावना और गहरे दुख के बीच देश के लिए मैदान पर उतरने के लिए जाना जाता है। ब्लेयर ने 1953 से 1964 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 19 टेस्ट मैच खेले और 35.23 की औसत से 43 विकेट लिए। हालांकि, उनकी गेंदबाजी से कहीं अधिक उन्हें उस घटना के लिए याद किया जाएगा जब दिसंबर 1953 में जोहान्सबर्ग टेस्ट के दौरान, बेहद दुखद हालात में वह नंबर 11 पर बल्लेबाजी करने के लिए क्रीज पर आये और आखिरी 10 मिनटों में 33 रनों की साझेदारी।

न्यूज़ीलैंड ने स्कॉटलैंड को हराकर अपनी उम्मीदें कायम रखीं

ब्रिस्टल, एजेंसी। एमेलिया कर (17 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद इज़ी शार्प (62) के बेहतरीन अर्धशतक से न्यूज़ीलैंड ने स्कॉटलैंड को महिला टी 20 विश्व कप के ग्रुप दो मैच में मंगलवार को छह विकेट से हराकर अपनी उम्मीदों को जिन्दा रखा। स्कॉटलैंड ने सात विकेट पर 131 रन बनाये जबकि न्यूज़ीलैंड ने 182 ओवर में चार विकेट पर 132 रन बनाकर जीत अपने नाम की। न्यूज़ीलैंड की चार मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि स्कॉटलैंड को तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। इज़ी शार्प को उनकी शानदार अर्धशतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। स्कॉटलैंड का 131 का स्कोर कभी भी काफ़ी नहीं होने वाला था। हालाँकि स्कॉटलैंड ने पावरप्ले में शानदार गेंदबाज़ी की, लेकिन कम रन बनने की वजह से न्यूज़ीलैंड को समझदारी से लक्ष्य का पीछा करने और बिना किसी परेशानी के जीत हासिल करने का मौका मिल गया।

विंबलडन 2026 के ऐतिहासिक आगाज़ के लिए तैयार सिनर और स्वियातेक

जिनेवा, एजेंसी। विश्व के सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन 2026 का आगाज़ इस बार एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनेगा। गत पुरुष एकल चैंपियन यानिक सिनर 29 जून को सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलेंगे और ऐसा करने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले वर्ष पुरुष एकल खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सिनर के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलना उनके लिए रोमांचकारी क्षण होगा। उनके अनुसार विंबलडन का वातावरण दुनिया के किसी भी अन्य टेनिस कोर्ट से अलग है और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में वही सेंटर कोर्ट पर उतरेंगे।

ट्रेसा जॉली-गायत्री गोपीचंद यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के युगल के प्री-क्वार्टर फाइनल में

कैलिफोर्निया, एजेंसी। भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने स्पेन पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिग्स को हराकर यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स पदक विजेता ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने मंगलवार को टाइटन जिम में अपने शुरुआती मैच में स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिग्ज को 21-12, 14-21, 21-13 से हराया। पहला गेम जीतने के बाद, ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को दूसरा गेम हारने के बाद निर्णायक गेम खेलना पड़ा। हालांकि, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने तीसरे गेम में जबरदस्त वापसी करते हुए जीत हासिल की और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने रचा इतिहास

रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से रौंदा

- क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप में दो गोल कर लियोनेल मेसी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

ह्यूस्टन, एजेंसी।

फुटबॉल की गोल मशीन क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सभी आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए मंगलवार को पहले हाफ में दो गोल दागे जिसकी बदौलत पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप के मैच में 5-0 के बड़े अंतर से रौंद दिया।

रोनाल्डो ने उज़्बेकिस्तान के खिलाफ पुर्तगाल को शुरुआती बढ़त दिला। रोनाल्डो, जिन्होंने बड़े टूर्नामेंट के पिछले 10 मैचों में कोई गोल नहीं किया था, ने दाईं ओर से जोआओ कैंसेलो के क्रॉस पर छह गज की दूरी से गोल किया। इसके साथ ही वह छह वर्ल्ड कप में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

यह उनके 230वें मैच में उनका 144वां इंटरनेशनल गोल था; ये दोनों ही पुरुषों के इंटरनेशनल मैचों में रिकॉर्ड हैं। यह गोल 41 वर्षीय रोनाल्डो के शानदार इंटरनेशनल

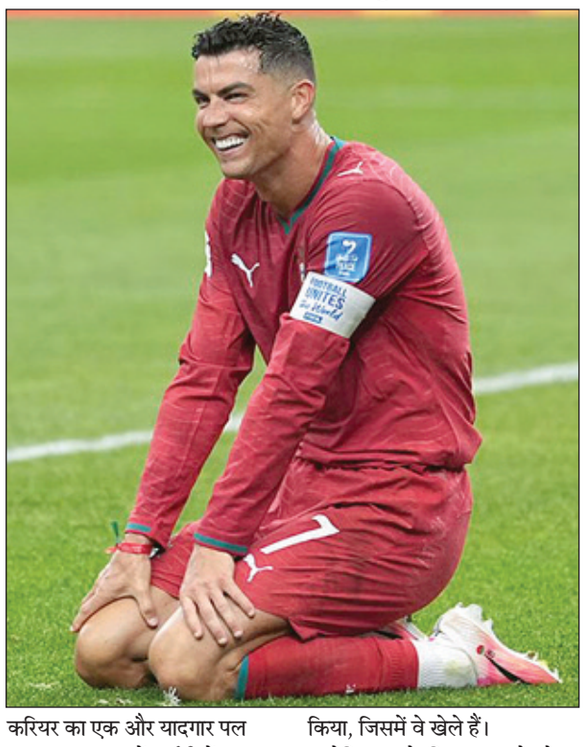

करियर का एक और यादगार पल था। साल 2006 में जर्मनी में 21 साल की उम्र में वर्ल्ड कप में डेब्यू करने के बाद से, उन्होंने हर उस संस्करण (2006, 2010, 2014, 2018, 2022 और 2026) में गोल किया, जिसमें वे खेले हैं।

उज्बेकिस्तान के ख़िलाफ़ उनके गोल ने पुर्तगाल के लिए ग्लोबल फ़ाइनल में यूसेबियो के नौ गोल के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैच में रोनाल्डो ने कमाल किया और दो गोल करने में सफल रहे। रोनाल्डो के अलावा नुनो मेंडेस और राफेल लियाओ ने गोल किया। इसके अलावा एक गोल उज्बेकिस्तान के अब्दुखोदिर खुसानोव की ओर से हुआ, उन्होंने गलती से खुद के ही पोस्ट में गोल दागा जिससे पुर्तगाल 4-0 की बढ़त बनाने में सफल रहा। इसके बाद पांचवां गोल पुर्तगाल की ओर से राफेल लियाओ ने करके मैच को पूरी तरह से एकतरफा कर दिया। पुर्तगाल के सामने उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी मैदान पर कुछ नहीं कर पाए और आखिर में पुर्तगाल यह मैच 5-0 से जीतने में सफल रहा। रोनाल्डो ने आखिरी मिनटों में हैट्रिक पूरी करने का प्रयास किया लेकिन गेंद को बाहर मार बैठे।

मेसी का रिकॉर्ड मात्र 24 घंटे में तोड़ा

रोनाल्डो ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि लियोनेल मेसी द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड के मात्र 24 घंटे बाद हासिल की है। मेसी ने एक दिन पहले ही सबसे उम्रदराज खिलाड़ी के रूप में दो गोल करने का रिकॉर्ड बनाया था, जिसे रोनाल्डो ने ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही रोनाल्डो छह अलग-अलग वर्ल्ड कप संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी भी बन गए हैं।

पुर्तगाल के लिए सर्वोच्च स्कोरर

उज्बेकिस्तान के खिलाफ इन दो गोल के साथ रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने महान फुटबॉलर यूसेबियो के 9 गोल के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए अपना कुल स्कोर 10 पहुँचा दिया है। इस मैच में पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है।

नॉकआउट चरण में मेसी की टीम का सामना करना शानदार होगा: रोनाल्डो

ह्यूस्टन, एजेंसी।

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि विश्व कप के नॉकआउट चरण के मुकाबले में लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना का सामना करना "शानदार होगा"।

ग्रुप के में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के साथ पुर्तगाल के शुरुआती ड्रॉ में संघर्ष कर रहे 41 वर्षीय रोनाल्डो ने मंगलवार को खेल शुरू होने के मात्र छह मिनट के भीतर ही गोल किया और हाफ टाइम से पहले नूनो मेंडेस की फ्री किक के दोनों ओर एक और गोल दागा। रोनाल्डो के दो गोलों ने उन्हें छह पुरुष विश्व कप में गोल करने वाला पहला खिलाड़ी बना दिया, और पुर्तगाल को नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने की राह पर ला खड़ा किया, जहां उनका सामना मेसी के अर्जेंटीना के साथ हो सकता हैं। रोनाल्डो और मेसी ने अपने रिकॉर्ड-तोड़ करियर के दौरान किसी भी बड़े टूर्नामेंट में कभी एक-दूसरे का सामना नहीं किया है।

उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रोनाल्डो ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी मेसी का सामना करने के बारे में पूछे जाने पर कहा, "मुझे नहीं पता कि इसका जवाब कैसे दूं। लेकिन, यह बहुत शानदार होगा। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात आज का दिन

था, आगे बढ़ने के लिए जीत हासिल करना और आगे के लिए तैयार रहना। मुख्य लक्ष्य समूह चरण से आगे बढ़ना था, और हमने इसे हासिल कर लिया। रोनाल्डो ने कहा, "यह बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण सप्ताह था, जिसमें जनता की राय सभी खिलाड़ियों, खासकर मुझ पर और कोच [रॉबर्टो मार्टिनेज] पर बहुत कठोर थी। लेकिन मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं 23 साल से इस पेशे में हूं, और जब चीजें अच्छी होती हैं, तो लोग कहते हैं, 'क्रिस्टियानो बहुत अच्छा कर रहा है,' लेकिन जब चीजें खराब होती हैं, तो लोग कहते हैं, 'क्रिस्टियानो रिटायर हो गया है। वह बहुत बूढ़ा हो गया है।' ऐसा हमेशा होता रहेगा।

रूट और हेनरी टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे

- मैट हेनरी ने जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली
- रूट और बूक के बीच टॉप पोजीशन के लिए पिछले 18 महीनों में छह बार अदला-बदली हुई

दुबई, एजेंसी।

इंग्लैंड के बल्लेबाज़ जो रूट और न्यूज़ीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ मैट हेनरी आईसीसी मेन्स टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गए हैं। यह बदलाव 'द ओवल' में हुई आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज़ के दूसरे मैच के बाद हुआ, जिसे मेहमान टीम ने 253 रनों से जीतकर सीरीज़ 1-1 से बराबर कर दी। रूट 12वीं बार नंबर 1 बल्लेबाज़ बने हैं; 46 और 77 रनों की पारियों की बदौलत वे अपने साथी खिलाड़ी हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को पीछे छोड़कर रैंकिंग में टॉप पर

पहुंच गए। वहीं, हेनरी ने मैच में 109 रन देकर 11 विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन के दम पर बॉलिंग रैंकिंग में भारत के तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली।

यॉर्कशायर के खिलाड़ी रूट और ब्रूक के बीच टॉप पोजीशन के लिए पिछले 18 महीनों में छह बार अदला-बदली हुई है। यह सिलसिला तब शुरू हुआ जब रूट ने न्यूज़ीलैंड के केन विलियमसन (जिन्होंने यॉर्कशायर का प्रतिनिधित्व भी किया है) को पीछे छोड़ा था। रैंकिंग के ताज़ा अपडेट में फायदा उठाने वाले अन्य बल्लेबाज़ों में न्यूज़ीलैंड के ग्लेन फिलिप्स और हेनरी निकोल्स (जिन्होंने शतक लगाए थे) के साथ-साथ रचिन रवींद्र भी शामिल हैं। फिलिप्स आठ स्थान ऊपर चढ़कर 31वें और निकोल्स 13 स्थान ऊपर चढ़कर 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रवींद्र टॉप 10 में वापस आ गए हैं। बॉलिंग रैंकिंग में हेनरी 870 रेटिंग पॉइंट्स के साथ बुमराह के बराबर पहुंच गए हैं। यह न्यूज़ीलैंड के किसी गेंदबाज़ द्वारा हासिल किया गया दूसरा सबसे ऊंचा स्कोर है; उनसे आगे सिर्फ़ रिचर्ड हैडली हैं, जो 1985 में 909 पॉइंट्स तक पहुंचे थे।

न्यूज़ीलैंड के केवल एक बल्लेबाज़ – केन विलियमसन (2021 में 919 पॉइंट्स) – ही 870 से ज़्यादा रेटिंग पॉइंट्स तक पहुंचे हैं। ऐसे में, हेनरी के पॉइंट्स का आंकड़ा टेस्ट इतिहास में न्यूज़ीलैंड के केवल दो खिलाड़ियों (बल्लेबाज़ या गेंदबाज़) से ही कम रहा है। नवंबर 2024 में कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ने के बाद से बुमराह अकेले टॉप पोजीशन पर काबिज़ थे।

'द ओवल' टेस्ट के बाद रैंकिंग में ऊपर चढ़ने वाले अन्य गेंदबाज़ों में जोफ्रा आर्चर (छह स्थान ऊपर चढ़कर 50वें) और जैकब बेथेल (29 स्थान ऊपर चढ़कर 85वें) शामिल हैं। आईसीसी पुरुषों की वनडे रैंकिंग में, भारत के कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजों की सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे नंबर पर आ गए हैं।

फीफा विश्वकप: घाना के खिलाफ गोल रहित ड्रा ने बढ़ाई इंग्लैंड की चिंताएं

मैसाचुसेट्स (अमेरिका), एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के एल ग्रुप मुकाबले में इंग्लैंड को घाना के खिलाफ गोल रहित से ड्रॉ खेलना पड़ा । इस नतीजे ने नॉकआउट को लेकर उसकी चिंताओं को बढ़ा दिया है। बोस्टन स्टेडियम में मंगलवार रात खेले गए इस मुकाबले में लगभग 80 प्रतिशत समय तक गेंद पर नियंत्रण रखने के बावजूद थॉमस ट्यूशेल की इंग्लिश टीम घाना की मजबूत रक्षा पंक्ति को भेदने में विफल रही। इंग्लैंड के मैनेजर थॉमस ट्यूशेल ने जीत की तलाश में ओ'रेली, बुकायो साका , एबेरेची एज़े , मॉर्गन रोजर्स और मार्कस रैशफोर्ड को मैदान पर उतारकर पूरी टीम में व्यापक बदलाव किए। इस गोल रहित ड्रा के साथ ब्लैक स्टार्स ने हैरी केन और जूड बेलिंघम की अगुवाई वाली इंग्लैंड की आक्रामक आक्रमण पंक्ति को नाकाम करते हुए एक अंक हासिल किया।

इंग्लैंड ए ने इंडिया ए को पांच विकेट से हराया

नॉर्थम्प्टन, एजेंसी।

कप्तान किरा चथली (53) रनों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत के इंग्लैंड ए की महिला टीम ने काउंटी ग्राउंड में खेले गये दूसरे टी-20 मुकाबले में इंडिया ए के खिलाफ पांच विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ए तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबर ली है। अब गुरुवार को चेम्सफोर्ड में निर्णायक मैच खेला जाएगा। जीत के लिए 173 रनों का पीछा करते हुए, सरे की चथली ने एसेक्स की ग्रेस स्क्रिवेंस (39) के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रनों की शानदार साझेदारी की। इस जोड़ी ने पावरप्ले

में एक विकेट पर 68 रन बनाए। इसके बाद डरहम की बेस हीथ ने मोर्चा संभाला और सिर्फ़ 23 गेंदों पर 40 रन बनाकर इंग्लैंड ए को जीत दिलाई। इससे पहले, वृंदा दिनेश ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 79 रन बनाए, जिससे इंडिया एक ने चार विकेट पर 172 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। वृंदा ने पूर्वजा वेरलेकर और कप्तान अनुष्का शर्मा के साथ तेजी से अर्धशतकीय साझेदारियां कीं।

सरे की रियाना मैकडोनाल्ड-गे इंग्लैंड ए की सबसे सफल गेंदबाज़ रहीं। उन्होंने 10 रन देकर 2 विकेट लिए। इस दौरान इंग्लैंड के खिलाड़ियों पांच कैच छोड़े। इंडिया ए ने धमाकेदार शुरुआत की; दीया यादव ने पहले ही ओवर में तीन चौके जड़े, जबकि वृंदा ने भी आक्रामक इरादे दिखाए और कवर के ऊपर से लगातार चौके लगाने के बाद सीधे बल्ले से ज़बरदस्त शॉट खेले।

क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर लगे गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल एक कानूनी विवाद में फंस गए हैं। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में एक महिला और उसकी मां ने उन पर शादी का झूठा वादा कर तीन साल तक संबंध बनाने, मारपीट करने और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अपने ऊपर लगे इन आरोपों पर अभिषेक पोरेल ने चुप्पी तोड़ते हुए सभी दावों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण ही ये बातें सामने आ रही हैं।

विम्बलडन में खिताब बचाने उतरेंगे सिनर

लंदन, एजेंसी।

विंबलडन चैंपियनशिप में सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना टेनिस में सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। अगले हफ़्ते, सोमवार 29 जून को स्थानीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे, जैनिक सिनर यह सम्मान पाने वाले पहले इटैलियन खिलाड़ी बनेंगे, क्योंकि उन्होंने 2025 में जेंटलमैन सिंगल्स का खिताब जीता था। 24 साल के सिनर की ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोकेट क्लब (एईएलटीसी) में वापसी एक और शानदार टूर्नामेंट की शुरुआत का संकेत है, जो 1877 में अपनी शुरुआत से ही बेहतरीन खेल के

लिए जाना जाता है। सिनर ने कहा, "मेरे लिए, सेंटर कोर्ट पर खेल की शुरुआत करना रोंगटे खड़े कर देने वाला पल होगा। यहाँ का माहौल अनोखा है, दुनिया भर के टेनिस कोर्ट पर मिलने वाले किसी भी अनुभव से बिल्कुल अलग। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं चैंपियनशिप के पहले मैच के लिए उस लॉन और उस स्टेडियम में कदम रखूँगा।

सिनर के नक्शेकदम पर चलते हुए, इगा स्वियातेक भी अपनी करियर की सबसे यादगार जीतों में से एक वाली जगह पर लौटेंगी और दूसरे दिन खेल की शुरुआत करेंगी। स्वियातेक के संयम और अटूट लगन की वजह से ही वह पिछले साल वीनस रोज़वॉटर डिश जीतने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी बनीं। स्वियातेक इस बड़ी उपलब्धि को याद करते हुए कहती हैं: "ट्रॉफी उठाना शब्दों से परे का अनुभव था क्योंकि ग्रास कोर्ट के हिसाब से अपने खेल को ढालना एक लंबी प्रक्रिया रही है।

मांग एशियन गेम्स के स्क्वॉड से बाहर किए जाने पर बोलीं मनिका बत्रा

'संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो कानूनी मदद लूंगी'

नई दिल्ली, एजेंसी।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने के बाद भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा चर्चा में हैं। मनिका ने हाल ही में टीम से बाहर किए जाने पर सवाल उठाए थे और इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की अपील भी की थी। अब उन्होंने उन आरोपों का जवाब दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह टीम में शामिल किए जाने या अपने लिए विशेष व्यवस्था की मांग कर रही हैं।

मनिका ने स्पष्ट किया कि वह किसी विशेष सुविधा या रियायत की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता चाहती हैं। उन्होंने टीम से बाहर किए जाने के फैसले को मनमाना बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय

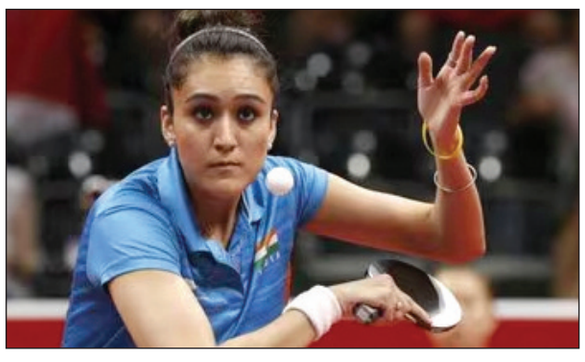

खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपना सकती हैं।

मनिका ने एक बयान में कहा, "पिछले दो दशकों से मुझे सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। अपने पूरे करियर में मैंने जीत, हार, चयन और चयन न होने, सभी परिस्थितियों को स्वीकार किया है। यह खेल का हिस्सा है। लेकिन जिस बात को स्वीकार करना मुश्किल है, वह है पारदर्शिता की कमी और मनमानी।"

उन्होंने कहा, "पिछले कुछ दिनों में मैंने कई लोगों को यह कहते हुए देखा है कि मैं एशियन गेम्स टीम में जगह चाहती हूं या विशेष विचार की मांग कर रही हूं। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं चयन की मांग नहीं कर रही हूं और न ही किसी से फैसला बदलने को कह रही हूं। मैं सिर्फ जवाब मांग रही हूं। मुझे यह नहीं बताया गया कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया। यदि मुझे इस फैसले के आधार के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तो मेरे पास कानूनी विकल्प अपनाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। मैं यह इसलिए नहीं कर रही हूं कि मुझे टीम में जगह या कोई विशेष व्यवस्था चाहिए, बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि हर खिलाड़ी को चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता, निरंतरता और जवाबदेही मिलनी चाहिए।"

मनिका ने कहा कि वह करीब 20 वर्षों से भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और केवल एक स्पष्ट तथा ईमानदार जवाब चाहती हैं। उन्होंने अपनी मौजूदा विश्व रैंकिंग का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि जब वह विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर हैं और शीर्ष-50 से मामूली अंतर से बाहर हैं, तो उन्हें चयन के योग्य क्यों नहीं माना गया।

उन्होंने कहा कि टेबल टेनिस की विश्व रैंकिंग हर सप्ताह बदलती रहती है और यह अंक प्रणाली पर आधारित होती है। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि खिलाड़ियों का मूल्यांकन किस अवधि की रैंकिंग के आधार पर किया गया। उन्होंने पूछा, "क्या चयन पिछले 12 महीनों, छह महीनों, दो महीनों या किसी एक सप्ताह की रैंकिंग के आधार पर किया गया? यदि कोई खिलाड़ी लंबे समय तक शीर्ष-50 के आसपास बना रहता है और किसी सप्ताह उसकी रैंकिंग 50 से 51 हो जाती है, तो क्या वह अचानक चयन के लिए अयोग्य हो जाता है?"

कोलंबिया पुर्तगाल और रोनाल्डो 'टेस्ट' के लिए तैयार

ग्वाडलहारा, एजेंसी।

कोलंबिया के मैनेजर नेस्टर लोरेंजो ने कहा कि शनिवार को जब टीमें अपने आखिरी वर्ल्ड कप ग्रुप के मैच में आमने-सामने होंगी, तो पुर्तगाल और क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक कड़ी चुनौती पेश करेंगे। ये बातें तब कही गईं जब मंगलवार को डेनियल मुनोज़ के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत कोलंबिया ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो पर 1-0 से जीत हासिल की और नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह पक्की कर ली। लोरेंजो ने पत्रकारों से कहा, "हम एक बहुत बड़ी टीम का सामना करने जा रहे हैं। वे (पुर्तगाल) वर्ल्ड कप जीतने के दावेदार हैं। यह एक बड़ी चुनौती होगी और हमें जीतने की कोशिश करने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने होंगे।

लोरेंजो ने रोनाल्डो से होने वाले खतरे पर भी ज़ोर दिया, जो मंगलवार को ही उज़्बेकिस्तान के खिलाफ़ पुर्तगाल की 5-0 की जीत में दो गोल करके छह वर्ल्ड कप में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए थे।

लोरेंजो ने कहा, "क्रिस्टियानो एक अद्भुत खिलाड़ी हैं। दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक, एक ज़बरदस्त खिलाड़ी। जब वह गोल करने वाले एरिया के पास हों, तो उन्हें अकेला न छोड़ने के लिए सावधान रहना होगा। यह सिर्फ़ पुर्तगाल की बात नहीं है, बल्कि पूरी टीम की बात है।" कोलंबिया मियामी स्टेडियम में होने वाले इस मैच में टूर्नामेंट के अपने शुरुआती दो मैचों में दो जीत के साथ उतरेगा और ग्रुप में टॉप पर रहने के लिए उसे सिर्फ़ एक ड्रॉ की ज़रूरत है।

ग्वाडलहारा स्टेडियम में डीआर कांगो पर मिली जीत के बारे में बात करते हुए, लोरेंजो ने अनुशासित डिफेंस के खिलाफ़ अपनी टीम के लगातार प्रयासों की तारीफ़ की।

मेरी अमाल से कोई तुलना नहीं है

तान्या मित्तल अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अक्सर बातचीत करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अमाल मलिक से उनकी तुलना करने पर रिएक्शन दिया है।

बता दें कि 'बिग बॉस 19' शो के दौरान तान्या और अमाल मलिक के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। अब शो खत्म हो चुका है और दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके फैंस के बीच अक्सर बहस देखने को मिलती है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक सेशन के दौरान तान्या ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। जब एक फैन ने उनसे पूछा कि अब उनकी अमाल से क्या बातचीत होती है, तो तान्या ने कहा, 'मेरी अमाल से कोई बात नहीं होती। मैं नहीं चाहती कि आप लोग मेरी और अमाल की तुलना करें। प्लीज। मुझे समझ आता है कि उनका मैनेजर या उनका फैनडम मेरे खिलाफ इतना क्यों बोलता है। क्योंकि मैं जानती हूं कि ये इंडस्ट्री कैसी है।'

हमारा कोई मुकाबला नहीं है

उन्होंने आगे कहा, 'वो पिछले 10 साल से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 'कबीर सिंह' से लेकर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम किया है। और मैं कौन हूं? मैं तो बस 6 महीने पहले आई हूं। तो लोगों को लगेगा ही कि मुझे इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है। लेकिन अमाल ऐसे नहीं हैं। मैं उनके साथ 100 दिन रही हूं, वो बहुत अच्छे इंसान हैं। हमारा कोई मुकाबला नहीं है। अमाल सुपरस्टार हैं। मेरे लिए वो बहुत बड़े स्टार हैं, पहले इसलिए क्योंकि वो मेरे दोस्त थे और दूसरा इसलिए क्योंकि वो अमाल मलिक हैं।'

तान्या ने इस दौरान भाग्यश्री और गुल्लू के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों को भी खारिज कर दिया और कहा कि उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है। इन दिनों तान्या कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आ रही हैं, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। इस शो में सुनीता आहूजा अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ, उर्वशी ढोलकिया अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ, गुल्लू अपनी मां मुनेश तनवर के साथ और भाग्यश्री शर्मा अपनी मां रिंजू शर्मा के साथ नजर आ रही हैं।

अमृता राव ने सलमान-रणबीर जैसे बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में ठुकराकर इंडस्ट्री में बनाई अलग पहचान

बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया लेकिन इस दौरान कुछ बड़े ऑफर भी ठुकराए। इनमें सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में भी शामिल थीं। उन्होंने अपने दमदार अभिनय के दम पर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई। अमृता राव का जन्म 7 जून 1981 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई से की लेकिन मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में बढ़ती रुचि के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ दी। उन्होंने करियर की शुरुआत विज्ञापन और म्यूजिक वीडियो से की थी। साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके अलावा, वह 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' में भी नजर आईं। हालांकि, उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट 2003 में आई फिल्म 'इश्क विश्क' रही, जिसमें उनके साथ शाहिद कपूर थे। फिल्म हिट रही और अमृता रातोंरात दर्शकों की पसंदीदा अभिनेत्री बन गईं। इस फिल्म के लिए उन्हें आईफा स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद अमृता राव ने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी', 'प्यारे मोहन' और 'विवाह' जैसी फिल्मों में काम किया। खास तौर पर 2006 में रिलीज हुई 'विवाह' ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। फिल्म में उन्होंने पूनम का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। उनकी सादगी सीधे लोगों के दिलों को छू गई। इस फिल्म के बाद उन्हें देश-विदेश से शादी के ऑफर्स तक मिलने लगे थे। अमृता राव हमेशा अपनी शर्तों पर काम करने के लिए जानी गईं। यही वजह रही कि उन्होंने कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स को भी ठुकरा दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर कपूर की फिल्म 'बचना ऐ हसीनों' का ऑफर पहले अमृता को मिला था, लेकिन फिल्म में किसिंग सीन होने के कारण उन्होंने इसे ठुकरा दिया। बाद में यह फिल्म दूसरी अभिनेत्री के पास चली गई और इस तरह यशराज फिल्म्स के साथ एक बड़े कॉन्ट्रैक्ट को साइन करने का मौका भी उन्होंने छोड़ दिया।

इतना ही नहीं, अमृता ने सलमान खान की सुपरहिट फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में भी काम करने से इनकार कर दिया था। बताया जाता है कि उन्हें फिल्म में सलमान खान की बहन का किरदार ऑफर किया गया था लेकिन उन्होंने यह भूमिका करने से मना कर दिया। इसके अलावा 'नील एन निक्की' जैसी फिल्म भी उन्होंने बोल्ड सीन्स की वजह से नहीं की। उनके करियर में काफी उतार-चढ़ाव भी आए। कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चलीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साब द ग्रेट', 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने शानदार काम किया। टीवी की दुनिया में भी उन्होंने 'मेरी आवाज ही पहचान है' के जरिए कदम रखा। अवॉर्ड्स की बात करें तो अमृता राव को आईफा अवॉर्ड, स्टारडस्ट अवॉर्ड समेत कई सम्मान मिले। 'मैं हूं ना' फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगिरी में नॉमिनेशन भी मिला था। निजी जीवन की बात करें तो उन्होंने रेडियो जॉकी अनमोल सूद से शादी की है और आज वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिता रही हैं।

भारतीय फिल्मों को कम कम शो मिलने पर अनुराग कश्यप ने नाराजगी जाहिर की

अनुराग कश्यप ने भारतीय फिल्मों को कम कम शो मिलने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारतीय फिल्मों को सिनेमाघरों में बहुत कम शो मिल रहे हैं, जबकि हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है।

भारतीय फिल्मों को कम शो मिलने पर भड़के अनुराग

अनुराग कश्यप ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह समझते हैं कि लोग 'ऑब्सेशन' देखना चाहते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारतीय फिल्मों को कम शो दिए जाएं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर हम अपनी ही फिल्मों को सही मौका नहीं देंगे, तो इंडस्ट्री आगे कैसे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म 'बंदर', वेदांग रैना और शरवरी की 'मैं वापस आऊंगा'', मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' और तेलुगु फिल्म 'सिंग गीथम' को बहुत कम शो मिल रहे हैं। कुछ जगहों पर तो इन फिल्मों का सिर्फ एक सुबह का शो है, जबकि 'ऑब्सेशन' को 6-7 शो दिए जा रहे हैं।

'बंदर' का किया निर्देशन

'बंदर' का निर्देशन खुद अनुराग कश्यप ने किया है, जिसमें बॉबी देओल, सपना पब्बी, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद, राज बी शेट्टी, जितेंद्र जोशी, ऋद्धि सेन, इंद्रजीत सुकुमारन और नागेश भोंसले जैसे कलाकार नजर आते हैं।

'ऑब्सेशन' कर रही शानदार कलेक्शन

वहीं हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म अब तक दुनियाभर में 224.7 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और अपने स्टूडियो की सबसे बड़ी हिट बन गई है। इस फिल्म में माइकल जॉनस्टन और इंडे नवारेटे लीड रोल में हैं। कहानी एक ऐसे शख्स की है, जो अपने क्रश का प्यार पाने की चाह में खतरनाक और डरावनी घटनाओं में फंस जाता है। इससे पहले राम गोपाल वर्मा ने भी 'ऑब्सेशन' की काफी तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि यह फिल्म देखकर उन्हें अपनी फिल्म 'कौन' की याद आ गई। उन्होंने यह भी कहा कि वह खुद इस फिल्म के 'ऑब्सेस्ड' हो गए हैं और इसने थिएटर में फिल्मों की सफलता को लेकर सोच बदल दी है।

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने गाने 'हुआ' से किया सिंगिंग डेब्यू

जुबिन नौटियाल के साथ जुड़ा नया म्यूजिक सफर

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने गाने 'हुआ' के जरिए हिंदी संगीत की दुनिया में कदम रखा है। इस गाने में उन्होंने मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ काम किया है। इस बीच, उन्होंने इस नए सफर को लेकर बात की है और जुबिन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में खुलकर बताया।

एलनाज नोरौजी ने कहा, ''संगीत हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है, लेकिन अब जाकर मुझे इसे पेशेवर रूप से अपनाने का मौका मिला है। जुबिन नौटियाल जैसे अनुभवी और लोकप्रिय गायक के साथ अपने पहले हिंदी गाने की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। जब किसी कलाकार का पहला कदम ही इतने बड़े और सम्मानित संगीतकार के साथ जुड़ता है, तो वह अनुभव यादगार बन जाता है। यह मेरे लिए नई रचनात्मक यात्रा की शुरुआत है।'' गाने 'हुआ' के बारे में बात करते हुए एलनाज ने इसे अपने करियर का एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा, 'जीवन में कुछ ऐसे पल आते हैं, जो हमेशा याद रह जाते हैं और यह गाना उन्हीं में से एक है। यह सिर्फ एक म्यूजिक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मेरे दिल के बहुत करीब एक सपना है, जिसे मैंने लंबे समय तक संजोकर रखा था। जब कोई सपना धीरे-धीरे सच होता है, तो उसकी खुशी शब्दों से ज्यादा महसूस की जाती है, और यह गाना मेरे लिए वही एहसास लेकर आया है।'

एलनाज ने आगे कहा, 'भले ही मैं लंबे समय से अभिनय से जुड़ी रही हूं, लेकिन संगीत हमेशा मेरे अंदर कहीं न कहीं मौजूद था। जुबिन नौटियाल के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि उनकी आवाज में भावनाओं की गहराई और सच्चाई होती है। वह हर गाने को बहुत ईमानदारी और भावनाओं के साथ गाते हैं।'

इस मौके पर जुबिन नौटियाल ने भी एलनाज की तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कहा, ''एलनाज की आवाज काफी मधुर है। उनके अंदर मेहनत करने की लगन दिखाई देती है। उन्होंने इस गाने के लिए समर्पण के साथ काम किया है और मैं उनके इस नए सफर से बेहद खुश हूं। मैं इस गाने और एलनाज दोनों पर गर्व महसूस करता हूं और मुझे खुशी है कि यह गाना लोगों के दिलों तक पहुंच रहा है।''

ओटीटी के आने से मौके भी बढ़ गए हैं

करिश्मा कपूर इस वक्त अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'ब्राउन' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ हो रही है। करिश्मा ने ओटीटी पर काम करने के एक्सपीरियंस, रोल और एक्टर्स के लिए बढ़े मौकों पर बात की। 'अंदाज अपना अपना', 'साजन चले ससुराल' और 'जुड़वां' जैसी फिल्मों से 90 के दशक में फैंस का मनोरंजन करने वाली करिश्मा कपूर ने भले ही बड़े पर्दे से दूरी बना ली हो, लेकिन आज भी दर्शकों के बीच चर्चा में रहती हैं। पहले शादी और बच्चों के बाद हीरोइन ब्रेक पर चली जाया करती थीं। लेकिन अब वो करियर को कंटिन्यू करती हैं।

जबसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स आए हैं, तबसे एक्टर्स को, चाहे वो किसी भी उम्र के हो, हर तरह के रोल मिल जा रहे हैं। आप तीस के दशक में हों या 40 के दशक में या फिर 60 के दशक में, एक्टर्स को काफी स्ट्रॉन्ग रोल्स मिल रहे हैं, जो अच्छी चीज है।

क्या पहले के मुकाबले, आज के दौर में हीरोइनों के लिए ज्यादा मौके हैं?

मुझे लगता है कि हर दशक में, हर दौर में ऐसे मौके मिलते हैं। चाहे हम 'मदर इंडिया' के टाइम से देखें और उसके बाद भी लिस्ट बहुत लंबी है। अगर मैं अपनी बात करूं तो मुझे अवसर मिले और मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे कुछ ऐसी फिल्में मिलीं, जिनके बारे में आज भी बात होती हैं। फिर चाहे वह 'बीवी नंबर 1' हो, 'शक्ति', 'फिज़ा', 'जुबैदा', 'राजा हिंदुस्तानी' या फिर 'दिल तो पागल है'। तो इन सारी फिल्मों में हीरोइन का किरदार बहुत ही बढ़िया था और वह स्ट्रॉन्ग वुमन भी थीं। वह अपने स्तर पर अपनी स्ट्रेंथ दिखा रही थीं। लेकिन अब ओटीटी के आने से मौके और भी बढ़ गए हैं। अब हर उम्र के एक्टर्स के लिए रोल्स हैं, जो वाकई कमाल है। तो उस नजरिए से देखें तो यह आर्टिस्ट्स के लिए बहुत ही अच्छा दौर है।

इसी वजह से अब हर उम्र में सोलो लीड वाली फिल्में भी मिल पा रही हैं

मुझे लगता है कि इन दिनों सभी आर्टिस्ट्स किस्मत वाले हैं, चाहे एक्टर हो या एक्ट्रेस। चाहे वह बच्चा हो या फिर दादी हो, उनका भी सोलो लीड हो सकता है। यह बहुत ही क्रिएटिव टाइम है एक्टर्स के लिए और दर्शकों के लिए भी, क्योंकि उन्हें भी अलग तरह का सिनेमा देखने का मौका मिल रहा है।

अपनी नई वेब सीरीज 'ब्राउन' के बारे में कुछ बताएं।

'ब्राउन' एक साइकलॉजिकल थ्रिलर है, लेकिन साथ में एक ह्यूमन स्टोरी भी है। यह कहानी रीटा ब्राउन और बाकी कैरेक्टर्स की है, जो बिल्कुल भी वन डाइमेंशनल स्टोरी नहीं है। यह दिखाती है कि रीटा ब्राउन क्या है, वह किन परिस्थितियों से गुजर रही हैं। और इन सबके बीच जब वह मर्डर केस सॉल्व कर रही हैं, तब वह कैसे साथ-साथ खुद में भी बदलाव कर रही है। दूसरा, इस सीरीज़ ने मुझे बहुत चैलेंज किया। इसमें इतना कुछ अलग था। इसलिए मैंने यह प्रोजेक्ट किया।

आपको फिल्मी दुनिया में इतना अनुभव है। अब आप ओटीटी प्रोजेक्ट्स में भी काम कर रही हैं। तो आपको क्या फर्क महसूस हुआ दोनों प्लेटफॉर्म्स पर काम करने में?

पहले के समय में हम ज्यादा पैशन के साथ काम करते थे। स्टोरी तब भी होती थी, लेकिन तब बाउंड स्क्रिप्ट्स नहीं होती थी। मतलब ऐसा कभी नहीं हुआ कि कल मेरा यह सीन है तो उसके मुताबिक हम वर्कशॉप कर रहे हैं। ऐसा कुछ भी नहीं होता था। हम तो सेट पर जाते थे, डायलॉग याद करते थे और काम करते थे। तो वह बहुत ही अलग समय था, अलग दौर। और अब तो सब कुछ तय होता है, हमें अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, हम पढ़ सकते हैं, बहुत सारी वर्कशॉप्स होती हैं और सारे एक्टर्स के साथ हम मिलकर बातचीत कर पाते हैं। तो यह बहुत अलग है और मजेदार अनुभव भी। जहां तक प्लेटफॉर्म्स की बात है तो मुझे दोनों के बीच में तुलना नहीं करनी है क्योंकि तब जिस तरह की फिल्में बनती थीं, वह कुछ अलग ही समय था और अब माहौल अलग है, तो हमें समय के साथ आगे बढ़ना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401